RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22
सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 14 अंक - 173 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 7 अप्रैल 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

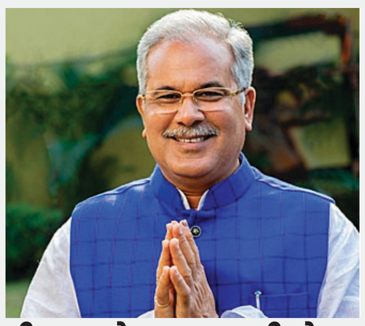

सीएम बघेल राजधानी में 'श्री हनुमान जन्मोत्सव' में शामिल हुए

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल राजधानी रायपुर के पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित श्री हनुमान जन्मोत्सव में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर भगवान श्री हनुमान को नमन करते हुए प्रदेशवासियों को हनुमान जयंती की शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में गुरूदेव श्री सिद्धेश्वर ब्रम्हार्षि का छत्तीसगढ़ में अभिनंदन करते हुए उनका आशीर्वाद ग्रहण किया। सीएम बघेल ने दर्शक दीर्घा में बैठकर श्रद्धालुओं के साथ गुरूदेव के प्रवचन का श्रवण किया। कार्यक्रम में नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया, संसदीय सचिव विकास उपाध्याय, विधायक सत्यनारायण शर्मा, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष कुलदीप जुनेजा, छत्तीसगढ़ गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष महंत डॉ. रामसुन्दर दास सहित अनेक जनप्रतिनिधि, सरावगी परिवार के सदस्य और बड़ी संख्या में श्रद्धालुजन उपस्थित थे।

गंभीर बीमारियों के ईलाज के लिए मिल रही 20 लाख रूपए तक की सहायता

छत्तीसगढ़ में संचालित की जा रही देश की सबसे बड़ी स्वास्थ्य योजना

मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना से दिशान को मिली नई जिंदगी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा गंभीर बीमारियों के ईलाज के लिए देश की सबसे बड़ी स्वास्थ्य योजना संचालित की जा रही है। मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना से अब तक 2643 मरीजों को सहायता दी गई है। इस योजना में मरीजों को ईलाज के लिए 20 लाख रूपए तक की सहायता दी जा रही है।

मुख्यमंत्री विशेष सहायता योजना में गंभीर बीमारियों जैसे कैंसर, थैलेसीमिया मेजर, हीमोफिलिया, फेफड़े, किडनी और लीवर ट्रांसप्लांट, कॉक्लीयर इम्प्लांट, हृदय, मस्तिष्क और मेरूदंड संबंधित जटिल ऑपरेशन के लिए राज्य के भीतर और राज्य के बाहर ईलाज के लिए आर्थिक सहायता दी जाती है। यह योजना 01 जनवरी 2020 से संचालित की जा रही है। इस योजना का लाभ उठाने के लिए टोल फ्री नंबर

104 पर कॉल किया जा सकता है अथवा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय से भी संपर्क किया जा सकता है।

कोंडागांव जिला के केशकाल में रहने वाले इमरान आडवाणी के घर जब नन्हे दिशान ने जन्म लिया तो खुशी का माहौल था। परंतु जब दिशान चार माह का हुआ अचानक उसकी तबियत खराब हो गयी। चिकित्सकीय जांच में पता चला कि उसे थैलेसीमिया मेजर नामक गंभीर आनुवांशिक बीमारी है। खून की कमी के कारण दिशान का शरीर लगातार कमजोर होता जा रहा था और उसे सांस लेने में भी दिक्कत होने लगी थी। बैंगलोर के चिकित्सकों ने बोनमैरो इम्प्लांट की सलाह दी। इसमें 40 लाख रूपए का खर्च होने की बात जानकर परिजनों ने दिशान को बचा पाने की अपनी उम्मीद भी खो दी थी। ऐसी निराशा की घड़ी में मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य योजना दिशान के जीवन में आशा की एक किरण बन कर सामने आई। परिवार के आवेदन करने के 15 दिवस के भीतर स्वास्थ्य विभाग द्वारा 18 लाख रूपए की राशि दिशान के पिता के खाते में अंतरित कर दी गयी।

मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य योजना से संभव हो पाया दिशान का ईलाज

बैंगलोर के एक निजी अस्पताल में उनका इलाज प्रारंभ हुआ। 6 माह के लम्बे चले उपचार के उपरांत दिशान ने अंततः थैलेसीमिया मेजर जैसी गम्भीर आनुवांशिक बीमारी को हरा दिया और अब वह पूरी तरह से स्वस्थ हो गया है। दिशान के स्वस्थ होने पर उनके परिजन बहुत ही खुश हैं। मासूम दिशान के चेहरे की मुस्कान अब लौट आयी है। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा ईलाज के लिए मिली आर्थिक सहायता के लिए दिशान एवं उसके परिजनों ने भावुक होते हुए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को तहेदिल से धन्यवाद देते हुए कहा कि अगर मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य योजना नहीं होती तो आज शायद दिशान का ईलाज संभव नहीं हो पाता।

कोरोना ने पकड़ी रफ्तार, 24 घंटे में 6050 केस आए, उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 28303 हुई

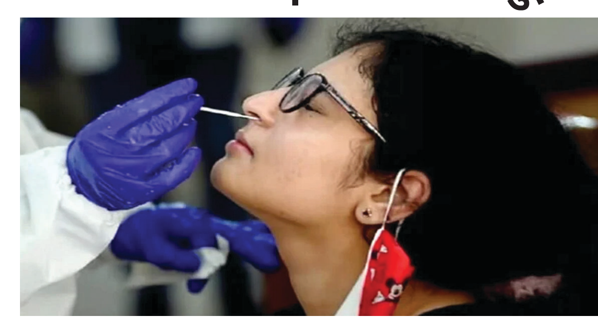

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में कोरोना के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। शुक्रवार को सामने आए आंकड़ों के मुताबिक, बीते 24 घंटे में 6050 कोरोना संक्रमितों की पहचान की गई है। यह बीते दिन मिले नए केसों से करीब 13 फीसदी ज्यादा है। देश में कोरोना के सक्रिय केस यानी उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 28,303 हो गई है।

इससे पहले गुरुवार को देश में 195 दिन बाद कोरोना 5,335 नए मामले आए थे। पिछले साल 23 सितंबर को कोरोना के 5,383 दैनिक मामले सामने आए थे। देश में अब तक 4.47 कारोड़ लोग कोरोना की चपेट में आ चुके हैं।

देश में ऐसे बढ़ी कोरोना की रफ्तार

- सात अगस्त 2020 को कोरोना संक्रमितों की संख्या 20 लाख हुई
- 23 अगस्त 2020 तक 30 लाख लोग कोरोना की चपेट में आए
- पांच सितंबर 2020 तक 40 लाख से अधिक संक्रमित हुए
- संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर 2020 को 50 लाख पहुंचे
- 28 सितंबर 2020 तक 60 लाख लोग कोरोना संक्रमित हुए
- 11 अक्तूबर 2020 को 70 लाख, 29 अक्तूबर 2020 को 80 लाख और 20 नवंबर 2020 तक आकड़ा 90 लाख के पार पहुंचा
- 19 दिसंबर 2020 को कोरोना के कुल मामले एक करोड़ से अधिक हो गए
- चार मई 2021 को संक्रमितों की आंकड़ा दो करोड़ और 23 जून 2021 को तीन करोड़ के पार पहुंचा
- पिछले साल 25 जनवरी को संक्रमण के कुल मामले चार करोड़ के पार चले गए थे

धूमधाम से मनी हनुमान जयंती, निकली भव्य शोभायात्रा, मंदिरों में गूंजा जय श्रीराम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में गुरुवार को हनुमान जयंती धूमधाम से मनाई गई। मंदिरों से सुबह से ही श्रद्धालुगण पहुंचने लगे थे। देर रात मंदिरों में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। इस दौरान नगर के हनुमान मंदिरों में हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। शाम को बजरंग बली की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु और भक्तगण शामिल हुए। सीएम भूपेश ने भी प्रदेशवासियों को हनुमान जयंती की बधाई दी।

सुबह से देर रात तक मंदिरों में जय श्री राम, जय हनुमान की गूंज सुनाई देती रही। 400 साल से भी ज्यादा पुराने मंदिर गुढियारी के प्राचीन हनुमान मंदिर में हजारों की संख्या में लोग संकटमोचन के दर्शन करने पहुंचे। यहां के दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर में सुबह से देर शाम तक श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। इस दौरान कई आयोजन किया गए।

मंदिर ट्रस्ट के प्रकाश माहेश्वरी ने बताया कि सुबह भगवान की शोभायात्रा निकाली गई, जिसका जगह-जगह स्वागत किया गया। दोपहर 12 बजे अभिषेक किया गया। यहां पर गर्मी को लेकर श्रद्धालुओं को ठंडाई वितरित की गई। शाम 7 बजे से भंडारे का आयोजन किया गया। वहीं रायपुर रेलवे स्टेशन स्थित सर्व धर्मसंकट मोचन हनुमान मंदिर में दोपहर 12 बजे महाआरती का आयोजन किया गया। इस दौरान विधायक विकास उपाध्याय मौजूद रहे। हनुमान मंदिर पंडरी मंडी गेट में भी भगवान की विशेष पूजा और धार्मिक अनुष्ठान हुए। यहां पर भंडारे का भी आयोजन किया गया।

कूनो से भागा ओबान चीता पकड़ा गया, साउथ अफ्रीका से आई टीम ने किया रेस्क्यू, आशा अब भी फरार

श्योपुर (एजेंसी)। श्योपुर के कूनो नेशनल पार्क से भागा ओबान चीता करीब छह दिन के बाद पकड़ लिया गया है। गुरुवार को ओबान को रिहायशी इलाके में देखा गया था। जिसके बाद गुरुवार शाम को ही साउथ अफ्रीका से आई टीम ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर उसे पकड़ा। टीम ओबान को लेकर श्योपुर के कूनो नेशनल पार्क गई है। जबकि फिलहाल आशा नामक मादा चीता वापस नहीं आई है।

ओबान के पकड़े जाने के बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है। दरअसल छह दिन पहले ओबान नामक नर चीता कूनो नेशनल पार्क से भाग गया था, जो पिछले तीन दिन से शिवपुरी जिले के बैराड़ तहसील क्षेत्र के जंगल से लगे रिहायशी इलाके में घूम रहा था। गुरुवार शाम को दक्षिण अफ्रीका से आई स्पेशल टीम ने बैराड़ तहसील क्षेत्र के डाबरपुरा गांव के जंगल से उसे रेस्क्यू कर पकड़ लिया है। ओबान के पार्क सीमा से बाहर आने के साथ ही कूनो नेशनल पार्क की टीम चीते की हर गतिविधि पर पैनी नजर रखे हुए थी। इसके साथ ही पिछले तीन दिनों से पोहरी वन विभाग और पुलिस की टीम भी चीते की सुरक्षा में तैनात थी। गुरुवार की सुबह चीता गाजीगढ़ गांव के जंगल से निकलकर डाबरपुरा गांव के जंगल और खेतों में पहुंच गया था, चीते की आमद से क्षेत्र के ग्रामीणों में दहशत बनी हुई थी।

पत्नी को पराए मर्द की बांहों में देख बौखलाया पति मौके से भागे दोनों और सुबह मिली महिला की लाश

श्रीकंचनपथ न्यूज

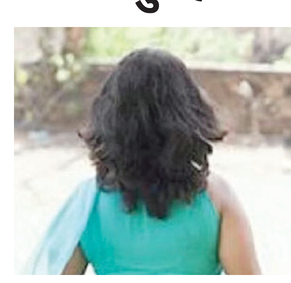

बालोद। बालोद जिले के देउरतराई गांव की एक महिला ने गुरुवार सुबह फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घर से लगभग 500 मीटर की दूरी पर खेत में महिला की पेड़ से लटकती हुई लाश मिली है। महिला का नाम लाकेश्वरी चंद्राकर पति प्रमोद कुमार चंद्राकर उम्र (33) बताया जा रहा है। दरअसल, पूरा मामला अवैध संबंध से जुड़ा हुआ है। मृतका के पति ने बताया कि बुधवार शाम को 7:30 बजे उसने घर से लगी हुई एक झोपड़ी में गैर मर्द के साथ अपनी पत्नी को आपत्तिजनक स्थिति में पकड़ा था, जिसके बाद वह लड़का उसके चंगुल से भाग खड़ा हुआ। लड़का उसी के पड़ोस में किराए पर रहता है। बताया जा रहा है कि इसके बाद पुलिस को सूचना भी दी गई और पुलिस ने लड़के को पकड़ लिया। इसी बात से आहत होकर महिला ने आत्महत्या कर ली। मृतका की एक 12 साल की बेटी है और उसका पति गाड़ी मैकेनिक का काम करता है।

नामकरण संस्कार में गया तो पकड़ा

मृतका के पति ने बताया कि वह नामकरण संस्कार में जाने के लिए जल्दी घर गया तो घर पहुंचते ही शाम लगभग 7:30 बजे वह अपनी पत्नी को खोजने लगा, जब उसकी पत्नी घर में नहीं थी इसके बाद वह थोड़ी ही दूर घर से लगी एक झोपड़ी में जा पहुंचा। जहां जाकर देखा तो उसकी आंखें फटी की फटी रह गईं। उसने अपनी पत्नी को किसी और की बाहों में आपत्तिजनक स्थिति में पाया। जिसके बाद उसने अपनी पत्नी और उस लड़के को पकड़ने की कोशिश की। इस दौरान उसकी पत्नी और लड़का भी भागने में सफल रहा।

लड़के का करता रहा पीछा

मृतका के पति ने पूरे मामले में आगे बताया कि वह उस लड़के का पीछा करता रहा लेकिन वह उसकी पकड़ से बाहर हो गया। लेकिन इसके बाद वह उसकी पकड़ से दूर न जा सका क्योंकि उसे उस लड़के का नाम पता था। लड़का उसके पड़ोस में ही किराए पर रहता था, इसलिए उसने थाने में नामजद शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

धारा 151 के तहत कार्रवाई

पुलिस ने महिला के साथ अवैध संबंधों में पाए जाने वाले व्यक्ति गणेश मंडावी के खिलाफ धारा 151 के तहत मामला दर्ज किया है। कल रात ही उसे गिरफ्तार किया गया था, जिसे गुरुवार को एसडीएम न्यायालय में पेश किया गया। वहीं महिला की आत्महत्या के बाद से पूरे घर में मातम पसरा हुआ है।

रात भर गायब, सुबह मिली लाश

परिजनों ने बताया कि इस पूरे मामले के बाद रातभर महिला को खोजने की कोशिश की गई। आसपास के खेत-खलिहान, मोहल्ले में भी खोजबीन की गई, लेकिन महिला का कोई पता नहीं चल पाया। वहीं गुरुवार सुबह आसपास के ग्रामीणों ने सूचना दी कि खेत में एक महिला की लाश फंदे से लटक रही है। जिसके बाद पति देखने गया तो उसकी पत्नी मृत अवस्था में मिली।

दर्दनाक घटनाः आग लगने से जिंदा जल गए चार मासूम, मौके पर अधिकारियों की टीम

देहरादून (एजेंसी)। त्यूनी में लकड़ी के चार मंजिला घर में आग लगने से चार मासूम जिंदा जल गए थे। हादसा रसोई गैस सिलिंडर बदलते समय हुआ था। चार सिलिंडर एक के बाद एक धमाके साथ फटे तो पूरा क्षेत्र दहल गया। फायर ब्रिगेड की टीम ने आग बुझाने का प्रयास किया लेकिन वाहन में पानी कम होने से काफी समय लग गया। ग्रामीणों की कोशिश भी नाकाम साबित हुई और देखते-देखते पूरा घर जलकर राख हो गया।

शुक्रवार सुबह जिलाधिकारी निरीक्षण के लिए पहुंची। त्यूनी में शिक्षा विभाग से सेवानिवृत कर्मचारी सूरतराम जोशी का लकड़ी का चार मंजिला घर सड़क के किनारे स्थित है। इसमें मकान मालिक के साथ ही पांच परिवार किराये पर रहते हैं। बृहस्पतिवार शाम को घर के अंदर किराये पर रहने वाले पांच बच्चे, दो पुरुष और एक महिला थी।

घटनाक्रम के मुताबिक, करीब चार बजे किराये पर रहने वाले विक्की की पत्नी कुसुम किचन में रसोई गैस सिलिंडर बदल रही थीं। इसी दौरान अचानक सिलिंडर ने आग पकड़ ली। हड़बड़ाहट में कुसुम ने आग बुझाने का प्रयास किया लेकिन आग ने लकड़ी से बने मकान को चपेट में लेना शुरू कर दिया।

चार सिलिंडर एक के बाद एक धमाके के साथ फटे

किराये पर रहने वाले अन्य परिवारों के सदस्यों के शोर मचाया तो आसपास के ग्रामीण पहुंच गए। उधर, सूचना पाकर मौके पर पहुंची स्थानीय फायर ब्रिगेड की टीम ने आग बुझाना शुरू किया। लेकिन, वाहन में पानी कम होने के कारण वह दस मिनट में ही खत्म हो गया। आग विकराल हुई तो घर में रखे चार सिलिंडर एक के बाद एक धमाके के साथ फटे। जब तक फायर बिग्रेड की टीम पानी लेकर वापस आई, आग ने पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया था।

विश्व स्वास्थ्य दिवस हुआ और भी प्रासंगिक

श्रीकंचनपथ न्यूज

आम तौर पर शहरी लोग गांव में जाते हैं। वहां जागरूकता की बातें करते हैं। जागरूकता की बातें करने वालों में चिकित्सक, चिकित्सा सेवा कर्मी, स्कूल-कालेज के विद्यार्थियों से लेकर सरकारी अमला तक शामिल होता है। हम उन्हें बताते हैं कि क्या खाएं, क्या न खाएं। सरकारी स्वास्थ्य अमला उन्हें शासन की स्वास्थ्य सुविधाओं, योजनाओं और सुपोषण कार्यक्रमों की जानकारी देता है। पिछले कुछ वर्षों से इसमें योगा का प्रचार प्रसार करना भी शामिल हो गया है। हमारी सबसे बड़ी चिंता है देश में अस्वस्थ लोगों की बढ़ती भीड़। यदि यह संख्या इतनी ही तेजी से बढ़ती रही तो इनके लिए स्वास्थ्य सुविधाएं जुटाना देश की सबसे बड़ी चुनौती बन जाएगी। कोविड काल ने स्वास्थ्य के प्रति लोगों को पहले से अधिक संवेदनशील तो बना दिया पर यह भाव स्थायी न हो सका। कोविड के दूसरे दौर के गुजर जाने के बाद लोग पुराने ढर्रे पर लौट आए। फिर वही अलाली की जिन्दगी, वही गाड़ियों की रेलमपेल, वहीं फास्ट फूड और स्वादिष्ट जहर का चस्का। कोरोना के दौर में बड़े-बड़े होटल रेस्तरां बंद हो गए। पर जैसे ही देश इससे बाहर आया नए-नए फूड ज्वाइंट्स की बाढ़ आ गई। पता नहीं क्यों, लोगों को घर का खाना रास ही नहीं आता। लोग कहते हैं कि कभी-कभी टेस्टी खाना खाने को भी मन करता है। घर से टिफिन लाने के बाद भी वे जोमैटो-स्विगी पर सब्जी आर्डर करते हैं। ऐसे में स्वास्थ्य दिवस और भी ज्यादा प्रासंगिक हो जाता है। कोरोनाकाल में हमने देखा है कि जिन्हें हम कुपोषित समझते थे, वो हमसे कहीं ज्यादा सुरक्षित साबित हुए। हमने गरीबों को सैकड़ों मील सामान के साथ पैदल चलते देखा। गरीब देशों से ज्यादा अमीर और विकसित देशों पर कहर बरपा हुआ। पर हमारी आंखें नहीं खुली। खुलती भी कैसे, जगाया उसे जा सकता है जो सो रहा हो। जो जागते हुए निद्रा में लीन है, उसका तो भगवान भी कुछ नहीं कर सकता। हमें समझना होगा कि भोजन का स्वाद नमक-मिर्च-मसालों से नहीं बल्कि भूख से आता है। यदि भूख नहीं है तो केवल लालच ही हमें खाने के लिए प्रेरित कर सकती है। हमें यह भी समझना होगा कि हमारी थाली पहले से कहीं ज्यादा पौष्टिक हो गई है। इसका दूसरा मतलब यह है कि हमें पहले से भी ज्यादा सक्रिय रहने की जरूरत है। सक्रियता का मतलब जिम में जाकर वातानुकूलित कमरे में सांस फुलाना नहीं बल्कि खुले वातावरण में थकने और पसीना बहाने से है। जिम में दो घंटा कुत्ते की तरह हांफने वाले भी जब एक किलोमीटर दूर स्कूल कालेज या बाजार बाइक और कार से जाने लगते हैं तो स्वास्थ्य प्रभावित होता है। हम सभी जानते हैं कि गाड़ियों का माइलेज अंडर टेस्ट कंडीशन्स बताया जाता है। वास्तव में वह माइलेज कभी मिलता नहीं। जिम और कामकाजी परिश्रम में भी यही अंतर है।

संपादकीय

संसद में कितना काम

भारत में विगत दिनों में संसदीय कामकाज बुरी तरह प्रभावित रहा है और बिना किसी ठोस नतीजे पर पहुंचे दोनों सदनों की कार्यवाही अनिश्चित काल के लिए स्थगित हो गई। निस्संदेह, यह अफसोस और चिंता की बात है। कामकाज के आंकड़े दुखद और याद रखने लायक हैं। 17वीं लोकसभा के 11वें सत्र अर्थात बजट सत्र के दौरान लोकसभा की कुल 25 बैठकें हुईं, जो करीब 45 घंटे 55 मिनट तक चलीं। सत्ता पक्ष जहां विपक्ष को जिम्मेदार ठहरा रहा है, वहीं ज्यादातर विपक्षी दलों के अनुसार, सत्ता पक्ष ने खुद ही नारेबाजी से कामकाज विरोधी माहौल बनाए रखा। आधिकारिक रूप से यही कहा गया है कि अडानी मामले की जांच के लिए एक संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की मांग को लेकर विपक्षी दल लगातार हंगामा करते रहे हैं, जिससे संसद का चलना मुश्किल हुआ है। संवाद या समन्वय प्रयासों की कमी भी खली है। संसद की गरिमा और जरूरत के प्रति संवेदनशील नेताओं के लिए यह समय चुनौतियों से भरा हुआ है। शायद चुनाव तक ऐसा ही माहौल बना रहेगा। लोकसभा की ही छाया राज्यसभा में भी दिखी है। सभापति जगदीप धनखड़ भी चिंता जताते हुए यह मानते हैं कि संसद में बहस, संवाद, विचार-विमर्श और चर्चा की सर्वोच्चता प्रभावित हुई है। राज्यसभा में बजट सत्र के पहले भाग में 56.3 प्रतिशत कामकाज हुआ था, जबकि इसके दूसरे भाग में महज 6.4 प्रतिशत ही काम हो सका है। कुल मिलाकर, बजट सत्र में राज्यसभा में महज 24.4 प्रतिशत समय काम हो सका है। पास या फेल के पैमाने पर अगर देखें, तो यह सत्र फेल हो गया है। लगभग 103 घंटे और 30 मिनट समय बर्बाद हुआ है। यह सहज ही सोचा जा सकता है कि अगर राज्यसभा इन 100 घंटों में से पचास घंटे भी देश की किसी बड़ी समस्या पर विचार करती, तो एक दिशा हासिल होती, देशवासियों का ज्ञान बढ़ता। अब सदन में तीखी राजनीति देखकर लोगों ने क्या सीखा है, यह अलग सवाल है। बीता हुआ समय लौटकर नहीं आता। आज के नेताओं की बात करें, तो राजनीति का मौका भी लौटकर नहीं आता। मतलब, संसद की कीमत पर खूब राजनीति हुई है और आगे भी होगी। नुकसान किसे हुआ है, पैसा किसका बर्बाद हुआ है, यह माननीय सांसदों को सोचना चाहिए। कुछ सांसद होंगे, जो इस पर जरूर सोचेंगे, पर ज्यादातर सांसद चुनावी तैयारियों में लग जाएंगे। अगर चुनावी सोच हावी हो गई है, तो संसद में कामकाज आगामी सत्रों में भी मामूली ही होगा। आगामी लोकसभा चुनाव से पहले तीन सत्र संभावित हैं। विचारवान सांसदों को यह सोचना होगा कि आगे के सत्रों में कैसे कितना काम करना है। यह दुख की बात है कि लोकसभा की तरह ही राज्यसभा में भी राजनीति हावी है। पहले यह सोचा गया था कि राज्यसभा में ज्यादा गंभीरता के साथ विचार-विमर्श की स्थिति बनी रहेगी, लेकिन राज्यसभा का भी चूंकि जरूरत से ज्यादा राजनीतिकरण हो गया है, इसलिए वहां लोकसभा का अनुसरण मात्र होता है। लोकतंत्र में राजनीति से बचा नहीं जा सकता, लेकिन जरूरत से ज्यादा राजनीति से जरूर बचना चाहिए। गौर करने की बात है, नेताओं के बीच जुबानी हमले जरूरत से ज्यादा तीखे हो चले हैं। किसी को गहरे घाव दिए जा रहे हैं, तो पलटकर मिल भी रहे हैं। भाषा और संवेदना का स्तर बना रहे, संविधान के प्रति आदर रहे, तो राजनीति भी सहज होगी और संसद को भी कामकाज में सुविधा होगी।

> “ संसद की कीमत पर खूब राजनीति हुई है और आगे भी होगी। नुकसान किसे हुआ है, पैसा किसका बर्बाद हुआ है, यह माननीय सांसदों को सोचना चाहिए। कुछ सांसद होंगे, जो इस पर जरूर सोचेंगे, पर ज्यादातर सांसद चुनावी तैयारियों में लग जाएंगे। अगर चुनावी सोच हावी हो गई है, तो संसद में कामकाज आगामी सत्रों में भी मामूली ही होगा। आगामी लोकसभा चुनाव से पहले तीन सत्र संभावित हैं। विचारवान सांसदों को यह सोचना होगा कि आगे के सत्रों में कैसे कितना काम करना है।

कराहते पाकिस्तानी, पर नेता बेफिक्र!

रमजान का पाक महीना चल रहा है लेकिन पाकिस्तानी मोहताज है खाने-पीने की चीजों के! पाकिस्तान अपने कर्ज न चुका पाने की स्थिति में पहुंच गया है। वह भुखमरी और सामाजिक उथल-पुथल की कगार पर है। गरीब बेसहारा हो गए हैं और मध्यमवर्गीय भिखारी। खाद्य सामग्री के लिए लगने वाली कतारें हर हफ्ते बड़ी होती जा रही हैं और आटा-दाल के ट्रक लूटे जा रहे हैं। परेशानहाल औरतें, बच्चे और बुजुर्ग थैला भर अनाज के लिए घंटों लंबी-लंबी लाईनों में खड़े रहते हैं और धक्का-मुक्की, हाथापाई और कुचले जाने जैसी तकलीफें भुगतते हैं। ऐसे ही एक अनाज व नगदी वितरण केन्द्र पर मची भगदड़ में 12 लोग मारे गए। अब तक मिली खबरों के मुताबिक इस तरह की घटनाओं में 21 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। ऐसे भयावह दृश्य इसके पहले हमने केवल श्रीलंका और अफगानिस्तान में देखे थे।

पाकिस्तान गंभीर संकट में फंस गया है और आंकड़े से ऐसा नहीं लगता है कि रोशनी की कोई किरण है। तीन करोड़ लोग पिछले साल आई बाढ़ से जुड़ी तकलीफें भुगत रहे हैं। लगभग 4.5 करोड़ निम्न मध्यमवर्ग के लोग किराने के सामान और ईंधन के बढ़ते दामों से परेशान हैं। एक किलो आटा, जो सन् 2022 की शुरूआत में 58 रूपये में मिलता था, अब 155 रूपये का है। चावल के दाम दोगुने हो गए हैं और पेट्रोल, जो पिछले साल 145 रू लीटर था, अब 272 रू के भाव से बिक रहा है। मांसाहार केवल अमीरों की पहुंच में है। मुद्रास्फीति तेजी से बढ़ रही है और देश के सांख्यिकी ब्यूरो के अनुसार मार्च में रिकार्ड 35.37 प्रतिशत तक पहुंच गई है जो सन् 1965 के बाद सर्वाधिक है। पाकिस्तानी रूपये का 60 प्रतिशत से अधिक अवमूल्यन हो चुका है।

इस सप्ताह ऑल पाकिस्तान टेक्सटाइल मिल्स एसोसिएशन ने चेतावनी दी है कि देश का वस्त्र उद्योग घटते उत्पादन के चलते 'आसन्न पतन' की स्थिति में पहुंचने वाला है। स्टील मिलें बंद हो रही हैं और बेरोजगारी सर्वकालिक उच्च दर पर है। विश्व खाद्य संगठन ने चेतावनी दी है कि अगले हफ्ते तक 51 लाख पाकिस्तानी गंभीर खाद्य संकट का सामना करने को मजबूर होंगे, जो पिछली तिमाही से 11 लाख ज्यादा होगा। देश फॉसिल फ्यूल और गेहूं के लिए बहुत हद तक आयात पर निर्भर है और इस कारण अर्थव्यवस्था पर गंभीर दुष्प्रभाव पड़ा है। बेहतर आर्थिक अवसरों की तलाश में पिछले साल 8 लाख से ज्यादा पाकिस्तानी विदेश चले गए।

लेकिन यह अत्यंत दुःखद है और सचमुच हमारे पड़ोसी का दुर्भाग्य है कि वहां का संकट, वहां के लोगे की दुर्दशा की चर्चा, राजनैतिक कलह के कोलाहल में दब गई है। राजनीति, मनुष्यों से ज्यादा महत्वपूर्ण बन गई है और जनता की समस्याओं पर हावी है।

पाकिस्तान की माई-बाप वहां की फौज है जो हमेशा नीति-निर्माण में दखलअंदाजी करती रहती है और निर्वाचित सरकारों को अपना कार्यकाल इसलिए नहीं पूरा करने देती कि कहीं ऐसा न हो कि वे देश को आर्थिक प्रगति के पथ पर आगे ले जाएं और इतने लोकप्रिय हो जाएं कि सेना को चुनौती देने लगें। इमरान खान के कार्यकाल में यह सब काफी हद तक बदल गया था। वे जनता में लोकप्रिय थे, वे लोगों का दिल जीतना जानते थे। परंतु उनके वायदे खोखले निकले। जिस प्रशासनिक व्यवस्था के शीर्ष पर वे थे वह पंगु और अयोग्य होने के साथ-साथ भ्रष्ट भी थी और इमरान खान का ध्यान अर्थव्यवस्था को ठीक करने की बजाए अपने विरोधियों को ठिकाने लगाने पर था। पाकिस्तान की मौजूदासियासी राअस्थिरता को देखते हुए इस बार आईएमएफ भी उसे और कर्ज देने में सकुचा रहा है।

> “ कई चुनौतियां हमारे सामने हैं। हमने कई पुराने संक्रामक रोगों पर काबू तो पा लिया, मगर अब वायरस जनित बीमारियां फिर से उभरने लगी हैं। इनमें जूनोटिक रोग (जानवरों से मनुष्यों में फैलने वाले वायरसजनित रोग) हमारे लिए कहीं ज्यादा चिंता के कारण हैं। इसीलिए, दुनिया भर में महामारी का खतरा बढ़ गया है। ऐसी बीमारियों से निपटने और पूर्व-तैयारी के लिए तमाम देशों को मिलकर काम करना होगा।

दुनिया की सेहत में कहीं न लगे सेंध

चंद्रकांत लहारिया, वरिष्ठ चिकित्सक और महामारी विशेषज्ञ

आज विश्व स्वास्थ्य दिवस है। यह सिर्फ इसलिए खास नहीं है कि इस दिन विश्व स्वास्थ्य संगठन का संविधान लागू हुआ था, बल्कि इसलिए भी कि आरोग्य जीवन का आधार है। इस साल कई कारणों से यह दिवस खास बन गया है। भारत ने जहां अपनी आजादी की 75वीं वर्षगांठ मनाई, तो विश्व स्वास्थ्य संगठन अपनी स्थापना का 75वां वर्ष पूरा कर रहा है। इसके अलावा, भारत ने इस साल जी-20 की अध्यक्षता भी संभाली है, जिसमें हमने 'एक धरती, एक परिवार और एक भविष्य' की राह गढ़ी है। बीमारियों की बात करें, तो पिछले तीन वर्षों में कोविड-19 महामारी ने बताया है कि वैश्विक रूप से जुड़ जाने के कारण अब सिर्फ स्थानीयता पर जोर देने से काम नहीं चलेगा। सेहतमंद जीवन के लिए हम सबको 'एक स्वास्थ्य' पर आगे बढ़ना होगा, जिसका अर्थ है- मानव, पशु और पर्यावरण के स्वास्थ्य में परस्पर जुड़ाव। इसको लेकर दुनिया के सभी हिस्सों में समझ बढ़ाने की जरूरत है।

विश्व स्वास्थ्य दिवस दुनिया भर में सेहत के मोर्चे पर मिली सफलता और आगामी चुनौतियों का भी एक अक्स है। पिछले 75 वर्षों में संक्रामक रोगों से निपटने में हमें उल्लेखनीय सफलताएं मिली हैं। इनमें चेचक उन्मूलन एक ऐतिहासिक उपलब्धि है, जबकि पोलियो उन्मूलन के कगार पर है। टीवी व मलेरिया पर भी हमने उल्लेखनीय नियंत्रण पा लिया है। एक बड़ी चुनौती के रूप में उभरी एचआईवी/एड्स की कहानी भी इससे अलग नहीं है। करीब 45 साल पहले, 1978 में वैश्विक समुदाय ने प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं पर ध्यान देने का संकल्प लिया था, जिसने स्वास्थ्य तंत्र में सुधार को गति दी। टीकाकरण अभियानों की शुरुआत ने कई घातक बीमारियों से बचाने में मदद की और बच्चों की मृत्यु दर में सुधार आया। इन वर्षों में अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य विनियमन (1969 में लागू हुआ, जिसमें 2005 में संशोधन किया गया) भी संभव हुआ, जो वैश्विक स्वास्थ्य सहयोग के मामले में एक अहम मोड़ साबित हुआ है।

हालांकि, कई चुनौतियां हमारे सामने हैं। हमने कई पुराने संक्रामक रोगों पर काबू तो पा लिया, मगर अब वायरस जनित बीमारियां फिर से उभरने लगी हैं। इनमें जूनोटिक रोग (जानवरों से मनुष्यों में फैलने वाले वायरसजनित रोग) हमारे लिए कहीं ज्यादा चिंता के कारण हैं। इसीलिए, दुनिया भर में महामारी का खतरा बढ़ गया है। ऐसी बीमारियों से निपटने और पूर्व-तैयारी के लिए तमाम देशों को मिलकर काम करना होगा।

अभी अपने देश में एक बार फिर कोविड के मामले बढ़ने लगे हैं। इससे बेशक खबरों का बाजार गरम है, लेकिन यह वृद्धि हमारे लिए बहुत चिंता का विषय नहीं है। 'सार्सकोव-2' अब महामारी है और नियमित अंतराल पर इसमें इस तरह के उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकते हैं। अब अधिक ध्यान केवल उन मामलों पर लगाना होगा, जिनमें वायरस का प्रभाव मध्यम या गंभीर हो सकता है। जैसे-जैसे मामले बढ़ रहे हैं, यह जरूरी है कि उच्च जोखिम वाले समूहों में से जिन लोगों ने अब तक टीके की तीसरी खुराक नहीं ली है, वे तत्काल इसे लगवाएं। इतना ही नहीं, खांसी-जुकाम होने पर हमें घर से बाहर निकलने से परहेज करना चाहिए या मास्क का इस्तेमाल करना चाहिए।

दूसरी चुनौती गैर-संक्रामक रोगों का विस्तार है। आज विश्व के तमाम देशों में मधुमेह, हाई बीपी, हृदय रोग, वृद्धावस्था से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याएं व मानसिक सेहत से जुड़ी बीमारियां बढ़ी हैं। इतना ही नहीं, सभी उम्र के लोगों में मोटापा महामारी की तरह पैर पसार रहा है। स्वास्थ्य तंत्र को इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ रही है। विशेष तौर पर निम्न और मध्यम आय वाले देशों का स्वास्थ्य ढांचा इन बीमारियों से लड़ने के लिए तैयार नहीं है। जाहिर है, बीमारियों के लिहाज से स्वास्थ्य ढांचे को नए सिरे से गढ़ने की दरकार है।

तीसरी चुनौती स्वास्थ्य संबंधी असमानता की है। हालांकि, लोगों की जीवन प्रत्याशा में बढ़ोतरी हुई है, लेकिन देशों, जनसंख्या समूहों और अन्य मापदंडों के आधार पर दुनिया भर में व्यापक असमानताएं पसरी हुई हैं। चौथी चुनौती है, जलवायु परिवर्तन और उसका स्वास्थ्य पर पड़ता प्रतिकूल प्रभाव। इसकी वजह से न सिर्फ जूनोटिक रोग बढ़ने लगे हैं, बल्कि एंटीबायोटिक दवाओं का असर घटने लगा है, जिसके कारण सामान्य बीमारियां भी जानलेवा साबित हो सकती हैं। पांचवीं चुनौती संचार क्रांति से जुड़ी है। डिजिटल दुनिया में ऊटपटांग स्वास्थ्य सूचनाओं के बढ़ते प्रसार ने वैश्विक स्वास्थ्यकर्मियों को काफी परेशान कर रखा है। इनसे प्रभावी ढंग से निपटने की जरूरत है।

स्वाभाविक है, इन सबसे पार पाने के लिए सभी देशों को मिलकर काम करना होगा। वे अमूमन अपने हितों को ही तरजीह देते हैं, मगर संक्रामक रोग किसी भौगोलिक सीमा से बंधे नहीं होते। इसीलिए, किसी एक राष्ट्र की चुनौती, समूची दुनिया के लिए चिंता की बात होनी चाहिए। जाहिर है, साझा हितों को सुनिश्चित करने के लिए सहयोगपूर्ण नजरिया अपनाना होगा। इसी तरह, स्वास्थ्य प्रशासन को विश्व स्तर पर मजबूत करना होगा। महामारी ने बता दिया है कि अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य विनियमन जैसे मौजूदा प्रावधान अब कमजोर हो गए हैं। इसी कारण विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा प्रस्तावित वैश्विक महामारी संधि जैसे उपायों पर गंभीर विमर्श करने और आम सहमति बनाने की दरकार है। तमाम उच्चस्तरीय नेतृत्व और सरकारी मंचों को आम नागरिकों के स्वास्थ्य पर ध्यान देना होगा।

इसी तरह, हमें टीकों और उपचार पर अनुसंधान के लिए निवेश बढ़ाना होगा, कम से कम कीमत में लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया कराने के प्रयास करने होंगे, प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाना होगा और स्वास्थ्य सेवाओं को अत्यधिक जन-केंद्रित बनाना होगा। बहु-क्षेत्रीय सहयोग और नागरिक व समाज में आपसी जुड़ाव बढ़ाकर हम स्वास्थ्य ढांचे को नया रूप दे सकते हैं। टीके लेने की हिचकिचाहट और अन्य प्रकार की गलत सूचनाओं के प्रसार से भी निपटने की जरूरत है। चिकित्सा व सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों को प्रशिक्षण देना चाहिए और आम जनता को आसानी से समझ आ सकने वाली भाषा में स्वास्थ्य सूचनाएं मुहैया करानी चाहिए। इस साल विश्व स्वास्थ्य दिवस की थीम है, सभी के लिए स्वास्थ्य। यह कोई आम मौका नहीं है, बल्कि 75 साल पूरे होने का अवसर है। सरकारों को अब स्वास्थ्य सेवाओं को जन-केंद्रित बनाने में कतई देरी नहीं करनी चाहिए।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

विदेश में व्यापार बढ़ाना अब देशी विकास की बुनियाद है

राकेश मोहन जोशी, प्रोफेसर, आईआईएफटी

पिछले दिनों भारत की नई विदेश व्यापार नीति जारी हो गई। विश्व व्यापार और उद्यमी समुदाय की बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए इस नीति को भविष्योन्मुख, लचीला और गतिशील बनाया गया है। इस नई शुरुआत का लक्ष्य 2030 तक भारतीय निर्यात को 2 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाना है। अच्छी बात है, लक्ष्य तक पहुंचने की रणनीति नई विदेश व्यापार नीति में निहित है। भारत अगर नई नीति का प्रभावी क्रियान्वयन करे, तो तय वक्त से पहले ही लक्ष्य तक पहुंच सकता है।

नई नीति विदेश में व्यापार बढ़ाने का एक व्यापक और एकीकृत दस्तावेज है। पहले की व्यापार नीति की घोषणाएं मुख्य रूप से अल्पकालिक उपायों तक ही सीमित रहती थीं, जो मुख्य रूप से कुछ प्रोत्साहनों पर केंद्रित रहती थीं। यही कारण है, पिछली विदेश व्यापार नीतियां कुछ रणनीतिक इरादों के बावजूद टिकाऊ नहीं होती थीं। इस बार भारतीय उत्पादों को निर्यात योग्य या विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्द्धी बनाने पर ज्यादा ध्यान दिया गया है। यह देखा गया है कि निर्यात की प्रक्रिया इतनी जटिल होती है कि इस मद में दी जाने वाली वित्तीय रियायतें अक्सर बेकार चली जाती हैं। इसके चलते निर्यात को स्थिरता नहीं मिल पाती है। विशेष रूप से लंबी अवधि में निर्यातकों को अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्द्धी बनाने में परेशानी आती है। इसमें भी कोई रहस्य नहीं है कि वित्तीय सब्सिडी का एक बड़ा हिस्सा लाभार्थियों तक पहुंचने से पहले ही काफी हद तक रिस जाता है।

वैसे, निर्यात के मोर्चे पर लक्ष्य बनाकर पहल की वजह से भारत का इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद निर्यात वित्त वर्ष 2016 में 6 अरब डॉलर से 162 प्रतिशत बढ़कर वित्त वर्ष 2022 में 16 अरब डॉलर का हो गया। इंजीनियरिंग उत्पाद निर्यात 81 प्रतिशत बढ़कर 62 अरब डॉलर से 112 अरब डॉलर का हो गया, भारत का खिलौना

निर्यात 89 प्रतिशत बढ़कर 29 करोड़ डॉलर से 54.60 करोड़ डॉलर तक पहुंच गया। ऐसे ही प्रयासों की जरूरत है।

निर्यातकों के लिए कई उपाय किए गए हैं। प्रक्रियाओं को निर्यातकों के लिए आसान बनाया गया है। फलों और सब्जियों के निर्यात को भी बढ़ावा दिया जाएगा। क्लस्टर आधारित आर्थिक विकास की सुविधा के लिए मौजूदा 39 शहरों के अलावा, चार नए शहरों, फरीदाबाद, मुरादाबाद, मिर्जापुर और वाराणसी को भी उत्कृष्टता का शहर घोषित किया गया है। मतलब, इन शहरों में भी आयात-निर्यात की सुविधाएं बढ़ेंगी।

डेयरी उद्योग के लिए भी विशेष उपाय किए गए हैं। अभी दूध उत्पादन में विश्व स्तर पर भारत की 24 प्रतिशत हिस्सेदारी है, लेकिन विश्व निर्यात में हिस्सेदारी 0.5 प्रतिशत से भी कम है। दुनिया के एक बड़े दूध उत्पादक भारत को अभी लंबा रास्ता तय करना है। ई-कॉमर्स निर्यात को बढ़ावा देने पर भी विशेष जोर है, जिसके वर्ष 2030 तक 200-300 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। ई-कॉमर्स निर्यात हब बनाए जाएंगे। छोटे ई-कॉमर्स निर्यातकों के लिए भी सुविधाएं बहुत बढ़ाई गई हैं। भारतीय मुद्रा रुपये में व्यापार को प्रोत्साहन दिया गया है।

एक और अच्छी बात है कि नई विदेश व्यापार नीति के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए राज्य सरकारों को सक्रिय रूप से जुड़ना होगा। जिला स्तर पर भी आयात-निर्यात की सुविधाओं का विस्तार करना होगा। अब नई नीति एक जिला-एक उत्पाद योजना (ओडीओपी) और जिला निर्यात केंद्रों को प्रोत्साहित कर रही है। इसके अलावा, यह नीति विदेशों में भारतीय दूतावासों की सक्रिय भागीदारी की भी मांग करती है। यह विश्व बाजार में भारतीय उत्पादों के प्रवेश को सुगम बनाने के लिए किया गया बड़ा रणनीतिक बदलाव है।

हालांकि, फायदा तब होगा, जब भारतीय दूतावासों में तैनात भारतीय व्यापार सेवा (आईटीएस) के अधिकारियों का एकमात्र मकसद व्यापार को बढ़ावा देना हो। व्यापार और भारत में निवेश बढ़ाने पर उन्हें समर्पित भाव से ध्यान देना होगा। ऐसे प्रशिक्षित अधिकारियों को भारतीय उत्पादों के लिए नए बाजार की भी खोज करनी चाहिए। भारतीय ब्रांडों को मजबूती देने के लिए काम करना चाहिए। भारत का विदेश व्यापार तभी ज्यादा तेजी से बढ़ेगा, जब व्यापार विकास से जुड़े तमाम देशी संगठन मिलकर काम करेंगे।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

हाथी परियोजना के तीस वर्ष

भूपेंद्र यादव, केन्द्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री

यह पूरी तरह से स्पष्ट है कि जलवायु परिवर्तन का सामना करने के लिए जैव-विविधता संरक्षण, सर्वोत्तम रणनीतियों में से एक है। जैव-विविधता संरक्षण एक जटिल प्रयास होता है, क्योंकि जैविक समुदाय अपने पर्यावरण से गहरे रूप से जुड़े रहते हैं। कुछ महत्वपूर्ण प्रजातियों का संरक्षण तथा कुछ आवश्यक तथ्यों पर आधारित दृष्टिकोण, चुनौती का मुकाबला करने में सहायता कर सकता है। विश्व स्तर पर लुप्तप्राय एशियाई हाथी (एलीफस मैक्सिमस) का भारत में संरक्षण इसका एक उदाहरण है।

भारत में हाथियों और लोगों के बीच का संबंध गहरा है और दुनिया में विशिष्ट है। भारत में हाथियों की समृद्धि के प्रतीक के रूप में पूजा की जाती है। वे सांस्कृतिक प्रतीक हैं और हमारे धर्म, कला, साहित्य और लोककथाओं के हिस्से हैं। भारतीय महाकाव्य हाथियों के संदर्भों से भरे पड़े हैं। यह भी माना जाता है कि महाभारत को भगवान गणेश ने अपने एक टूटे हुए दांत से लिखा था।

1947 में भारत की स्वतंत्रता के बाद से, हाथियों की आबादी का रुझान, अन्य देशों के विपरीत, अपेक्षाकृत स्थिर रहा है। भारत में वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 जैसे मजबूत कानून हैं, जो हाथियों को उच्चतम कानूनी संरक्षण प्रदान करते हैं, चाहे वे जंगल में हों या मानव देखभाल के तहत हों। वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980, हाथियों के निवास-स्थानों को नुकसान और निवास-स्थानों के क्षेत्रफल में कमी लाने से बचाता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पिछले 9 वर्षों के कार्यकाल में, भारत ने मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति और नेतृत्व के समर्थन से हाथियों के संरक्षण के लिए एक सक्षम संस्थागत व्यवस्था का निर्माण किया है।

सामूहिक रूप से, हाथी भारत के कुल भूभाग के लगभग 5त्न क्षेत्र में पाए जाते हैं। हाथियों की वर्तमान सीमा-क्षेत्र में संरक्षित क्षेत्र और बहु-उपयोग वाले वनों के अन्य रूप शामिल हैं। वे वन क्षेत्रों के बीच आने-जाने के लिए मानव-निवास वाले क्षेत्रों का भी उपयोग करते हैं।

हाथीदांत का अवैध शिकार, जो अफ्रीकी हाथियों के संरक्षण के लिए सबसे बड़ी चुनौती बना हुआ है, भारत में नियंत्रण में है। हालांकि, 1970 और 1980 के दशक में ऐसा नहीं था, जब अवैध हाथी दांत के अंतरराष्ट्रीय अवैध बाजार के लालच में अवैध शिकार के कारण, हमने कई हाथियों को खो दिया था। इन हत्याओं ने हाथियों के संरक्षण के समक्ष एक गंभीर खतरा पैदा कर दिया था और राज्यों तथा केंद्र के बीच सक्रिय समन्वय में, संरक्षण को पुनर्जीवित करने के लिए मिशन-मोड में काम करने की आवश्यकता थी। इस

बात को स्वीकार करने के फलस्वरूप, 1992 में महत्वाकांक्षी हाथी परियोजना का शुभारंभ हुआ, जो बाघ परियोजना के अनुरूप था और जिसके तहत बाघों को आबादी को पतन के कगार से वापस लाने में सफलता मिली थी।

हाथी परियोजना, एक केंद्र प्रायोजित योजना है, जो हाथियों के संरक्षण और कल्याण के लिए तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान करती है। हाथी आरक्षित क्षेत्र, हाथी परियोजना के तहत मौलिक प्रबंधन इकाई हैं। वर्तमान में, पूरे भारत में 80,778 वर्ग किमी में फैले 33 हाथी आरक्षित क्षेत्र हैं। वर्ष 2022 में भारत में हाथी परियोजना के 30 वर्ष पूरे हुए हैं।

हाथी परियोजना ने हाथी संरक्षण के प्रयासों को गति दी है। रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण स्थानों पर पिछले दो वर्षों के दौरान दो नए हाथी आरक्षित क्षेत्र बनाए गए हैं। दुधवा और उत्तर प्रदेश के आसपास के क्षेत्रों में अधिसूचित तराई हाथी आरक्षित क्षेत्र का उद्देश्य, भारत और नेपाल के बीच सीमा-पार के हाथियों के प्रबंधन में लंबे समय से चल रही समस्याओं का समाधान करना है। तमिलनाडु के दक्षिणी-पश्चिमी घाट के पहाड़ों में अगस्तियारमलाई हाथी आरक्षित क्षेत्र, पेरियार और अगस्तियारमलाई के बीच संपर्क बहाल करने की दिशा में गति प्रदान करेगा।

हाथियों के संरक्षण और मानव-हाथी संघर्ष को कम करने के लिए, गलियारों के महत्व को स्वीकार करते हुए, हाथी परियोजना के अंतर्गत पूरे भारत में, चिन्हित किये गए हाथी गलियारों के लिए, भूभाग सत्यापन का कार्य किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि कुछ महत्वपूर्ण हाथी गलियारों, जैसे उत्तराखंड में चिल्ला-मोतीचूर गलियारे, केरल में तिरुनेली-कुदरकोट गलियारे और कुछ अन्य को सफलतापूर्वक बहाल कर दिया गया है। पहली बार, ओडिशा में एक महत्वपूर्ण गलियारे को वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के प्रावधानों के तहत एक संरक्षण आरक्षित क्षेत्र के रूप में अधिसूचित किया गया था।

ट्रेन से हाथियों की टक्कर के मुद्दे को हल करने के लिए रेलवे तथा पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की बैठकें निरंतर हो रही हैं। समस्या के समाधान के लिए दोनों मंत्रालय, राज्य के वन विभागों और अनुसंधान संस्थानों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

भारत में हाथियों के संरक्षण की दिशा में सबसे महत्वपूर्ण चुनौती है - मानव-हाथी संघर्ष। सरकार इस समस्या के गंभीरता को स्वीकार करती है और संघर्षों को कम करने के लिए लोगों के साथ खड़ी है। वन्य-जीवों के कारण होने वाले फसल नुकसान को शामिल करने के लिए, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना जैसी नई पहलों का विस्तार किया गया है, ताकि प्रभावित किसानों को समय पर मुआवजे का भुगतान किया जा सके। संघर्ष के प्रति प्रतिक्रिया अवधि में और समय पर अनुग्रह राशि के भुगतान में, सुधार के प्रयास किए जा रहे हैं।

भारत तेजी से विकास कर रहा है और आर्थिक प्रगति कर रहा है, ऐसे में समय की मांग है कि प्रकृति-संस्कृति संबंधों को बनाए रखा जाये। हमारी पौराणिक कथाएं, कला, धर्म और विरासत प्रकृति के साथ एकता के सद्गुणों पर जोर देती हैं। हाथी संरक्षण संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के लिए, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय और असम वन विभाग भारत में हाथी परियोजना के 30 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में 'गज उत्सव' मनाएंगे।

'गज उत्सव', इस शानदार प्रजाति के संरक्षण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का सामूहिक रूप से संकल्प लेने का एक मंच होगा।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान
विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026,
7869620239

Sargam
Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair

DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

संसदीय सचिव की संवेदनशीलता से 17 दिव्यांग बच्चों को मिले सहायक उपकरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। विधायक जगदलपुर एवं संसदीय सचिव रेखचंद जैन के प्रयासों से जगदलपुर विधानसभा क्षेत्र के 17 दिव्यांग छात्र छात्राओं को स्कूल शिक्षा विभाग के द्वारा सहायक उपकरणों का वितरण किया गया। सहायक उपकरणों में मोबाइल फोन,स्मार्ट फोन,ब्रेल किट ,लो विजन किट, हियरिंग किट का वितरण किया गया।

जिन छात्र छात्राओं को सहायक उपकरणों का वितरण किया गया उनमें हायर सेकंडरी कन्या क्रमांक 1 की छात्रा सरिता मंडावी को मोबाइल फोन,हाई स्कूल नेतानार के छात्र विकास कुमार को मोबाइल फोन, दृष्टि बाधित स्कूल के छात्र रविन्द्र नेताम को स्मार्ट फोन, नागेश्वर मरकाम को ब्रेल किट, योगेश दुग्गा को ब्रेल किट, तामेश्वर सोरी को ब्रेल किट, प्राथमिक शाला की छात्रा मनीषा बघेल को लो विजन किट, प्राथमिक शाला लोहरापारा, की छात्रा सरस्वती कश्यप को ब्रेल किट, माध्यमिक शाला बुरुदंवाडा सेमरा की छात्रा चन्द्रमा को मोबाइल फोन, दृष्टि बाधित स्कूल के छात्रा परमेश्वर सोरी को मोबाइल फोन,नमन कुमार को मोबाइल फोन, भूपेंद्र कुमार को मोबाइल फोन, रोशनी दास को मोबाइल फोन, प्राथमिक शाला नेगीगुडा के छात्र मोनू चालकी को ब्रेल किट, प्राथमिक शाला पामेला के साहित्य कश्यप को लो विजन किट, प्राथमिक शाला नवीन अगहनपुर हियरिंग किट प्रदान किया गया। इस अवसर पर उपस्थित बच्चों एवं अभिवावकों को संबोधित करते हुए विधायक जगदलपुर एवं संसदीय सचिव रेखचंद जैन ने कहा की हमारे प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जी की मंशा अनुरूप दिव्यांग बच्चों को सहायक उपकरणों का वितरण किया जा रहा है जिससे की वे अपनी शिक्षा में सहायता प्राप्त कर सकते हैं उन्होंने कहा की दिव्यांग बच्चों में देव का अंश होता है उनके शरीर के किसी एक अंग के काम नहीं करने के बाद भी उपर वाले ने उन्हें ऐसी खासियत दी है की वे अपने मस्तिष्क से हर कार्य को संपादित कर सकते हैं उन्होंने बच्चों को प्रशिद्ध वैज्ञानिक स्टीफन हाकिंस का उदाहरण देते हुए कहा की शारीरिक अक्षमता के बावजूद उन्होंने अपने मस्तिष्क के दम पर ब्रम्हांड की बहुत सी गुच्छी सुलझा दी।

इस अवसर पर विधायक जगदलपुर एवं संसदीय सचिव रेखचंद जैन के साथ खंड शिक्षा अधिकारी मानसिंह भारद्वाज,बी आर सी गरुड़ मिश्रा, समावेशी शिक्षा प्रभारी श्रीमती अनिता मिश्रा वरिष्ठ नेता ओंकार सिंह जसवाल,राजेश अहीर शहर जिला कांग्रेस महामंत्री गौरनाथ नाग, हेमू उपाध्याय,सूर्या पानी महिला कांग्रेस की प्रदेश सचिव शायमा अशरफ, महिला नेता एस नीला युवा नेता रिखा कर्मा समेत बड़ी संख्या में पालक एवं शिक्षा विभाग के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

खास खबर

सिद्ध हनुमान मंदिर में हुआ भंडारा, उमड़े नगरजन

कोरबा। हनुमान जन्मोत्सव पर भूमिहार ब्राम्हण समाज के अध्यक्ष अरविंद शर्मा ने सपरिवार श्री सिद्ध मंशापूर्ण हनुमान मंदिर कोसाबाड़ी में पूजा-अर्चना की। मंदिर के पुजारी पंडित सौरभ मिश्रा के द्वारा विधि-विधान से पूजा संपन्न कराई गई। अरविंद शर्मा के द्वारा यहां विशाल भंडारा का आयोजन कराया गया। दोपहर 12 बजे से हनुमान जी को भोग लगाने पश्चात भंडारा प्रारंभ हुआ जो दोपहर 3 बजे तक अनवरत चलता रहा। हजारों श्रद्धालुओं मंशापूर्ण हनुमान जी के दरबार में मत्था टेकने के बाद भंडारा में प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर मोहन अग्रवाल कोसाबाड़ी के द्वारा भी खिचड़ी प्रसाद का वितरण कराया गया।

अछोली में 5 एमव्हीए का नया पॉवर ट्रांसफार्मर को किया गया क्रियाशील

डोंगरगढ़। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड द्वारा मुख्यमंत्री विद्युत अधोसंरचना विकास योजना के अन्तर्गत नगरीय एवं ग्रामीण अंचलों में समुचित वोल्टेज पर निर्बाध व गुणावत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विद्यमान उपकेन्द्रों में स्थापित पॉवर ट्रांसफार्मरों की क्षमता वृद्धि का कार्य सर्वोच्च प्राथमिकता से किया जा रहा है। इसी कड़ी में डोंगरगढ़ उपसंभाग के ग्राम अछोली में स्थित 33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र में विद्यमान 3.15 एम0व्ही0ए0 के पॉवर ट्रांसफार्मर का क्षमता में वृद्धि करते हुए मुख्यमंत्री विद्युत अधोसंरचना विकास योजना के तहत 57 लाख 76 हजार रूपये के लागत से 5 एम0व्ही0ए0 का नया पॉवर ट्रांसफार्मर स्थापित कर चार्ज किया गया। इस प्रकार अछोली उपकेन्द्र की क्षमता 8.15 एम0व्ही0ए0 से बढ़कर 10 ए0व्ही0ए0 हो गया है। विद्युत कंपनी के उच्चाधिकारियों के विशेष प्रयासों से विद्युत विकास के लिए स्वीकृत इस कार्य से अछोली उपकेन्द्र के परिधि में आने वाले डोंगरगढ़ नगर सहित ग्रामीण क्षेत्र के किसानों तथा उपभोक्ताओं को इसका लाभ मिलेगा। अछोली उपकेन्द्र में स्थापित 5 एम0व्ही0ए0 का नया पॉवर ट्रांसफार्मर के ऊर्जीकरण से लगभग 8500 उपभोक्ताओं को उच्च गुणवत्ता की विद्युत सेवा का लाभ मिलेगा। इस अवसर पर राजनांदगांव क्षेत्र के मुख्य अभियंता टी.के. मेश्राम एवं अधीक्षण अभियंता एस0के0 शर्मा ने इस कार्य को सफलतापूर्वक किये जाने पर कार्यपालन अभियंता एन0 के0 साहू, एस.के. चन्द्राकर, ए.डी. टण्डन, सहायक अभियंता एस.के. ठाकुर, ए.के. विश्वकर्मा, प्रशांत पांसे, ए.के. द्विवेदी, आर0पी0 ठाकुर कनिष्ठ अभियंता पवन यदु, सम्मन लाल ठाकुर और उनकी टीम की सराहना की है।

टीबी मुक्त जिला बनाने के लिए मजबूती से कार्य करने की जरुरत-कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। कलेक्टर डोमन सिंह ने आज जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में स्वास्थ्य विभाग के कामकाज और जिले में बेहतर स्वास्थ्य सुविधा सुनिश्चित करने के संबंध में गहन समीक्षा की। कलेक्टर श्री सिंह ने स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ संकल्प लेते हुए कहा कि जिले में बेहतर स्वास्थ्य सुविधा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से अनेक कारगर पहल की जा रही है। इस दिशा में कलेक्टर ने आज बड़ा फैसला लेते हुए कहा कि जिले को टीबी मुक्त जिला बनाने की दिशा में मजबूती से कार्य करने की जरूरत है।

कलेक्टर ने संकल्प लेते हुए कहा कि जिले को हर हाल में टीबी मुक्त जिला बनाने के लिए हरसंभव कदम उठाया जाएगा।

कलेक्टर ने कहा कि जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग के साथ ही समाजसेवी संस्थाओं, स्थानीय जनप्रतिनिधियों, व्यापारीगणों की सहभागिता और समन्वित प्रयास से अब जिले को पूर्ण रूप से टीबी मुक्त जिला बनाने के लिए विशेष रणनीति के साथ कार्य योजना निर्धारित की गई। कलेक्टर ने संकल्प दोहराते हुए इस दिशा में सभी को समन्वित प्रयास करते हुए टीबी मुक्त जिला बनाने कहा है। कलेक्टर श्री सिंह ने स्वास्थ्य केंद्रों में उपलब्ध संजीवनी 108 और महतारी एक्सप्रेस 102 की जानकारी ली। कलेक्टर ने इन दोनों सेवाओं को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि जिले में जितने भी वाहन उपलब्ध हैं। सभी की आकस्मिक फिटनेस चेकिंग होगी। इसके लिए उन्होंने सभी ब्लॉक के विकासखंड चिकित्सा अधिकारी और प्रभारी अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि 1 सप्ताह के भीतर सभी वाहन फिटनेस चेकिंग हेतु जिला परिवहन कार्यालय में उपस्थित रहें। कलेक्टर ने सख्त लहजे में कहा कि इसके लिए सभी संबंधित प्रभारी अधिकारी राज्य द्वारा निर्देशित कार्य योजना का पालन गंभीरतापूर्वक करें। कलेक्टर ने सख्त हिदायत देते हुए कहा कि निर्धारित एमओयू का उल्लंघन करने वाले प्रभारी अधिकारी के खिलाफ पुलिस में एफआईआर करते हुए कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने स्वास्थ्य केंद्रों में उपलब्ध माइक्रोस्कोप की जानकारी ली। 5 स्वास्थ्य केंद्रों में माइक्रोस्कोप की आवश्यकता पर उन्होंने डीएमएफ फंड से शीघ्र खरीदी की स्वीकृति दी है। कलेक्टर ने दिव्यांगजनों के लिए समाज कल्याण विभाग की सहभागिता से शिविर लगाने के निर्देश दिए। शिविर में दिव्यांगजनों का चिन्हांकन कर आवश्यक उपकरण और उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। कलेक्टर ने सीजीएमएससी निर्माण एजेंसी के माध्यम से जिले में निर्माणाधीन कार्यों की जानकारी ली। इनके द्वारा कार्य में उदासीनता पर उन्होंने गहरी नाराजगी जाहिर की। कलेक्टर ने सीजीएमएससी के प्रभारी अधिकारी से कहा कि वे अपनी कार्यप्रणाली में सुधार लाएं। मुख्यालय से कार्यों का मूल्यांकन करने की प्रवृत्ति को छोड़कर सभी निर्माण कार्यों का मूल्यांकन करने फिल्ड पर जाने और शीघ्र ही पूर्ण कराने निर्देशित किया। ऐसा नहीं करने पर शीघ्र ही इनके खिलाफ राज्य सरकार को अवगत कराते हुए कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को मजबूती के साथ सुदृढ़ बनाने की दिशा में अनेक कार्य योजनाओं पर विस्तृत चर्चा की। कलेक्टर ने कहा कि तंबाकू नियंत्रण पर प्रभावी कार्रवाई अनवरत जारी रखें। इसी प्रकार उन्होंने अंधत्व निवारण पर सतत कार्रवाई जारी रखने कहा है। उन्होंने कहा कि प्रतिमाह मोतियाबिंद के मरीजों का चिन्हांकन और ऑपरेशन व उपचार सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि आयुष्मान कार्ड बनाने के कार्य में और प्रगति लाएं। उन्होंने आयुष्मान कार्ड बनाने में बचे शेष लोगों की सूची दो दिवस के भीतर उपलब्ध कराने कहा है। कुपोषण मुक्ति की दिशा में इस श्रेणी में शामिल बच्चों का पोषण पुनर्वास केन्द्र के माध्यम से सतत निगरानी रखते हुए उपचार सुनिश्चित करने कहा है। इस श्रेणी में शामिल बच्चों का प्रति माह वजन लेकर स्वास्थ्य परीक्षण और निगरानी रखने कहा है।

07 आवेदकों को स्वीकृत हुआ बेरोजगारी भत्ता, प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी में मिलेगी आर्थिक मदद

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरिया। कोरिया जिले में शासन की महत्वपूर्ण बेरोजगारी भत्ता योजना का बेहतर क्रियान्वयन किया जा रहा है जिसके फलस्वरूप आज सत्यापन दल द्वारा आवेदन व दस्तावेजों के सत्यापन उपरांत पात्र पाए जाने पर बैकुंठपुर नगरीय निकाय के 07 आवेदकों को बेरोजगारी भत्ता की स्वीकृति प्रदान की गई है।

इसके साथ ही ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया जारी है। समय समय पर आवेदनों और दस्तावेजों का सत्यापन कर पात्रता निर्धारण का काम भी जारी है। इसी कड़ी में संसदीय सचिव एवं बैकुंठपुर विधायक श्रीमती अंबिका सिंहदेव एवं कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने नगरीय निकाय बैकुंठपुर के पात्र हितग्राही युवाओं को बेरोजगारी भत्ता स्वीकृति आदेश सौंपा। इस दौरान मुख्य नगरपालिका अधिकारी बैकुंठपुर श्रीमती मुक्ता चौहान और नगरपालिका कार्यालय के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर पात्र हितग्राही राहुल मानिकपुरी ने मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल को इस योजना के लिए आभार देते हुए कहा कि इस योजना के जरिए मिलने वाली 2500 रुपए की राशि से पढ़ाई में आर्थिक संबल मिलेगा। वहीं अन्य हितग्राही सजल कुमार साहू ने भी मुख्यमंत्री और शासन प्रशासन को धन्यवाद देते हुए इस योजना को शिक्षित बेरोजगार युवाओं के लिए मददगार बताया।

मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में तेजी से जारी है सामाजिक-आर्थिक सर्वे कार्य

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में तेजी से सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण 2023 का कार्य जारी है। अब तक लगभग साढ़े 11 हजार परिवार का सर्वेक्षण का कार्य पूरा कर लिया गया है। जिले में 340 प्रगणक दल सर्वेक्षण कार्य में जुटे हुए हैं।

कलेक्टर पी. एस. ध्रुव ने आज मनेन्द्रगढ़ ब्लाक के सुदूर अंचल के ग्राम पंचायत केल्हारी का दौरा कर सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण कार्य का जायजा लिया। उन्होंने प्रगणक दलों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें लोगों से

प्राप्त जानकारी को सही तरीके से संधारित करने समझाईश दी। कलेक्टर ने इस मौके पर ग्रामीणों से भी प्रगणक दलों को परिवार की स्थिति के बारे में सही जानकारी देने की अपील की। कलेक्टर ने कहा कि सर्वे से प्राप्त जानकारी के आधार पर ही आगे सरकार द्वारा जन सामान्य के बेहतरी के लिए नीतियां व कार्यक्रम बनाएं जाएंगे।

कलेक्टर श्री ध्रुव ने बताया कि जिले के भरतपुर जनपद की 84 ग्राम पंचायतों में अब तक 5728 परिवारों का सर्वेक्षण का कार्य पूरा कर लिया गया है। इसी तरह मनेन्द्रगढ़ जनपद की 72 ग्राम पंचायतों में 3409 परिवारों तथा खड़गवां जनपद की 44 ग्राम पंचायतों में 2421 परिवारों के सर्वेक्षण का कार्य पूरा हो चुका है। उन्होंने बताया कि भरतपुर एवं मनेन्द्रगढ़ जनपद में 120-120 प्रगणक दल सर्वेक्षण के लिए लगाए गए हैं। खड़गवां जनपद में 100 दल सर्वे कार्य में जुटे हैं। उन्होंने बताया कि जिले की ऐसी ग्राम पंचायतें जहां परिवारों की संख्या 400 से अधिक है वहां दो-दो प्रगणक दल तैनात किए गए हैं। भरतपुर जनपद वनांचल क्षेत्र है। यहां ग्राम पंचायतों का दायरा औसतन 10 से 15 किलोमीटर तक विस्तृत है, इसको ध्यान में रखते हुए यहां सर्वे कार्य को तेजी से पूरा कराने के लिए 120 दल तैनात किए गए हैं।

मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में ग्रामीण परिवारों की संख्या 68,513 है, जिसमें भरतपुर जनपद में 31,110 परिवार, खड़गवां में 12603 परिवार तथा मनेन्दगढ़ में 24,800 परिवार निवासरत हैं।

अतिशीघ्र आवश्यकता है
एक प्लॉट सेल करने पर 9-10 प्रतिशत तक का ब्रोकरेज
अनुभविकओं के लिए अतिशीघ्र आवश्यकता है...
रियल स्टेट कंपनी में काम किए हुए
अनुभविक एवं फ्रेशर लड़के
एवं लड़कियों की सेल्स एंड मार्केटिंग के लिए...
पार्ट टाइम और फुल टाइम जॉब
सैलरी :-7000-10000/- योग्यता के अनुसार
संपर्क करें : 9109132445
लोकेशनः- भिलाई दुर्ग चरोदा

सुलभ चिकित्सा सेवाएं पहुंचाने राज्य शासन ने शुरु की हैं कई योजनाएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। संयुक्त राष्ट्र संघ की संस्था विश्व स्वास्थ्य संगठन के स्थापना दिवस पर 7 अप्रैल को पूरी दुनिया में विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की स्थापना 7 अप्रैल 1948 को की गई थी। वर्ष 1950 में 7 अप्रैल को पहली बार विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया गया था। तब से हर साल दुनिया के प्रत्येक व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच के महत्व को रेखांकित करने यह दिवस मनाया जाता है।

इस साल विश्व स्वास्थ्य संगठन की स्थापना के 75 वर्ष पूरे होने के मौके पर विश्व स्वास्थ्य दिवस 'सबके लिए स्वास्थ्य की थीम पर मनाया जा रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार शारीरिक, मानसिक और सामाजिक रूप से पूर्ण स्वस्थ होना ही मानव स्वास्थ्य की परिभाषा है। छत्तीसगढ़ में भी ज्यादा से ज्यादा लोगों तक निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने और स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए बुनियादी अधोसंरचना को मजबूत करने के साथ ही मानव संसाधन को तेजी से बढ़ाया जा रहा है। विभिन्न योजनाओं के माध्यम से लोगों को उनके घर के नजदीक ही निःशुल्क या सस्ती चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। डॉ. खूबचंद बघेल स्वास्थ्य सहायता योजना के दायरे में प्रदेश के करीब 69 लाख परिवारों को लाया गया है। इसके तहत शासकीय और अनुबंधित निजी अस्पतालों में बीपीएल के लगभग 60 लाख परिवारों को सालाना पांच लाख रूपए तक एवं नौ लाख से अधिक एपीएल परिवारों को 50 हजार रूपए तक के निःशुल्क इलाज की सुविधा दी जा रही है। प्रदेश भर में 5300 हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर्स के माध्यम से लोगों को बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराई जा रही हैं। मुख्यमंत्री हाट-बाजार क्लिनिक योजना के माध्यम से गांवों और दूरस्थ अंचलों में जांच व उपचार के साथ ही मरीजों को निःशुल्क दवाईयां भी प्रदान की जा रही हैं। शहरी क्षेत्रों में मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना, दाई-दीदी क्लिनिकों और जन औषधि केंद्रों के माध्यम से स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार किया गया है।

हर इंसान का स्वास्थ्य अच्छा हो और बीमार होने पर हर व्यक्ति को अच्छी चिकित्सा की अच्छी सुविधा मिल सके, इसके लिए लगातार पहल की जा रही है। विश्व स्वास्थ्य दिवस का उद्देश्य वैश्वि क स्त र पर सेहत के प्रति जागरूकता फैलाना और सभी के लिए स्वा्स्य सेवाएं मुहैया कराना है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का लक्ष्या एक ऐसी दुनिया का निर्माण है।

आवश्यकता है
लड़के एवं लड़कियों की
वेतन चार अंकों में
भिलाई मसाला उद्योग
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई,
फोन. 2284508, मो. 9826137766

BIG BRAND
Premium Store

30% Off
70001 78467
70008 73376
Near KPS school ,
Nehru Nagar ,Bhilai

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales 8959493000
Arhum Electronics 9926100315
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

प्रदेश में एक्सोटिक मागूर एवं बिग हेड मछलियों के मत्स्य बीज उत्पादन, संवर्धन एवं पालन पर प्रतिबंध

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन, मछलीपालन विभाग द्वारा प्रदेश में एक्सोटिक मागूर (क्लेरियस गेरीपिनस) एवं बिग हेड (हाइपोप्थेलमिक्थीस नोबीलीस) मछलियों के मत्स्य बीज उत्पादन, मत्स्य बीज संवर्धन एवं पालन को प्रतिषिद्ध घोषित किया गया है।

इन प्रतिषिद्ध मछलियों का कोई भी मछुआ, वैयक्तिक, समूह या समिति, केंद्र या राज्य शासन द्वारा मत्स्यों का मत्स्य बीज उत्पादन, शासन अथवा वैयक्तिक जलस्रोत में संवर्धन एवं पालन नहीं करेगा। राज्य शासन के द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार इन मछलियों का परिवहन, आयात एवं विपणन भी प्रतिबंधित किया गया है। संचालक मछली पालन के द्वारा जारी आदेश के अनुसार प्रतिबंध का उल्लंघन किए जाने की स्थिति में छत्तीसगढ़ मत्स्य क्षेत्र (संसोधन) अधिनियम 2015 के तहत एक वर्ष का कारावास एवं 10 हजार रूपए अथवा दोनों से दंडित किया जा सकेगा। राज्य शासन इन प्रतिबंधित मछलियों से संबंधित किसी भी गतिविधि में लिप्त पाए जाने पर दोष सिद्ध उपरांत संबंधित को मत्स्य विभाग द्वारा दी जाने वाली सभी प्रकार की योजनाओं से प्रतिबंधित भी किया जाएगा।

जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग में 8 जिलों के अध्यक्ष के नामों की घोषणा

रायपुर। राज्य शासन द्वारा उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 की धारा 28 की उपधारा 2 (क) एवं उपभोक्ता संरक्षण नियम 2020 के नियम 6 (क) के अंतर्गत गठित चयन समिति की अनुशंसा पर 8 जिलों के जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग के अध्यक्ष के नामों की घोषणा की गयी है।

जारी आदेश के अनुसार डाकेश्वर प्रसाद शर्मा को जिला उपभोक्ता आयोग रायपुर, गोपाल रंजन पाणिग्रही को धमतरी, सुश्री रंजना दत्ता को कोरबा, आनंद कुमार सिंघल को बिलासपुर, संतोष कुमार को दुर्ग, राकेश पांडेय को सरगुजा, सुजाता जसवाल को जगदलपुर-बस्तर एवं प्रशांत कुन्डू को जिला उपभोक्ता आयोग जांजगीर-चांपा का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। राज्य शासन के आदेश के अनुसार इनकी नियुक्ति कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से 04 वर्ष अथवा 65 वर्ष की आयु इनमें से जो भी पहले हो तक के लिए की गयी है।

अनाज, दलहन-तिलहन के आधार और प्रमाणित बीज के विक्रय दर का किया गया निर्धारण

रायपुर। छत्तीसगढ़ में अनाज, दलहन-तिलहन के आधार और प्रमाणित बीजों के विक्रय दर का निर्धारण कर दिया गया है। इसका अनुमोदन राज्य स्तरीय बीज विक्रय दर निर्धारण समिति की बैठक में किया गया। यह दर भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं में प्रावधान अनुसार उत्पादन, वितरण की अनुदान राशि को घटाकर निर्धारण किया गया है। छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम लिमिटेड द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार खरीफ सीजन 2023 में किसानों के लिए धान मोटा की विक्रय दर 2 हजार 800 रूपए प्रति क्विंटल, धान पतला की 3 हजार रूपए, धान सुगंधित की 3 हजार 400 रूपए निर्धारित की गई है। इसी तरह कोदो के लिए 6 हजार रूपए, रागी के लिए 4 हजार 600 रूपए और दलहन फसलों के तहत अरहर के लिए 8 हजार 400, उड़द के लिए 10 हजार 250, मूंग के लिए 10 हजार 100 रूपए निर्धारित की गई है। साथ ही सोयाबीन के लिए 8 हजार 100, मूंगफली के लिए 9 हजार 500, तिल के लिए 14 हजार 700 रूपए, रामतिल के लिए 11 हजार 050 रूपए, ढेंचा के लिए 8 हजार 350 रूपए तथा सनई के लिए 7 हजार 800 रूपए निर्धारित की गई है। इसी प्रकार सहकारी समितियों के लिए विक्रय दर पृथक निर्धारित की गई है। इसमें धान मोटा के लिए 2 हजार 688 रूपए प्रति क्विंटल, धान पतला के लिए 2 हजार 880 रूपए, धान सुगंधित के लिए 3 हजार 264 रूपए, कोदो 5 हजार 760, रागी 4 हजार 416, अरहर के लिए 8 हजार 064, उड़द के लिए 9 हजार 840 रूपए, मूंग के लिए 9696, सोयाबीन के लिए 7776 रूपए, मूंगफली के लिए 9120 रूपए, तिल के लिए 14 हजार 112 रूपए, रामतिल के लिए 10 हजार 608 रूपए, ढेंचा 8 हजार 016 रूपए तथा सनई के लिए 7 हजार 488 रूपए प्रति क्विंटल निर्धारित की गई है।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजनाः बेटियों के विवाह के लिए सहायता राशि 25 हजार से बढ़कर हुई 50 हजार

विवाह आयोजन में अब नहीं होगी परेशानी- गरीब परिवारों के बेटियों के धूम-धाम से विवाह के सपने होंगे पूरे

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य सरकार द्वारा मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत सहायता राशि 25 हजार रूपए से बढ़ाकर 50 हजार रूपए कर दी गई है। इस वर्ष 2023-24 के लिए प्रस्तुत बजट में इस योजना के लिए 38 करोड़ रूपए का प्रावधान रखा गया है। इससे कई परिवारों का अपनी बेटियों का धूम-धाम से विवाह का सपना पूरा हो सकेगा।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में राज्य सरकार ने योजना के तहत राशि में दो बार वृद्धि की है। श्री बघेल ने मुख्यमंत्री के रूप में पदभार ग्रहण करने के बाद प्रस्तुत पहले बजट में ही बेटियों के विवाह को प्राथमिकता देते हुए वर्ष 2019 में विवाह अंतर्गत दी जाने वाली अनुदान राशि को 15 हजार रूपए से बढ़ाकर 25 हजार रूपए कर दिया था। अब यह राशि बढ़ाकर 50 हजार रूपए कर दी गई है। वर्ष 2019 की तुलना में निर्धारित बजट राशि भी 19 करोड़ रूपए से बढ़ाकर 38 करोड़ रूपए कर दी गई है। इससे कई परिवारों में बेटियों के विवाह को लेकर चिंता दूर हुई है। गौरतलब है कि कई परिवारों में आर्थिक परेशानियों के चलते बेटी का विवाह कठिन हो जाता है। इन परिस्थितियों में राज्य सरकार मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत बेटियों के विवाह के लिए सहायता करती है। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित इस योजना का उद्देश्य गरीब परिवारों को कन्या के विवाह में होने वाली आर्थिक कठिनाईयों का निवारण, विवाह में होने वाली फिजूलखर्ची को रोकना और सादगीपूर्ण विवाहों को बढ़ावा देना, सामूहिक विवाहों के आयोजन के माध्यम से गरीब परिवार के आत्मसम्मान में वृद्धि के साथ उनकी सामाजिक स्थिति में सुधार तथा विवाहों में दहेज के लेन-देन की रोकथाम करना है।

योजना तहत देय लाभ

योजनान्तर्गत गरीबी रेखा से नीचे जीवन-यापन करने वाले परिवार और मुख्यमंत्री खाद्यान्न योजना अंतर्गत कार्डधारी परिवार की 18 वर्ष से अधिक आयु की अधिकतम दो कन्याओं को आर्थिक सहायता दी जाती है। इसमें वर-वधु की श्रृंगार सामग्री और अन्य दैनिक उपयोग के सामान उपहार स्वरूप प्रदान करने के साथ बैंक ड्रॉफ्ट के माध्यम से रूपए भी दिए जाते हैं। सामूहिक विवाह आयोजन व्यवस्था के लिए भी कुछ राशि व्यय की जाती है। योजनांतर्गत विधवा, अनाथ, निराश्रित कन्याओं को भी शामिल किया जाता है। योजना का लाभ लेने के लिए जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी/जिला कार्यक्रम अधिकारी कार्यालय में संपर्क किया जा सकता है। विकास खंड स्तर पर बाल विकास परियोजना अधिकारी या एकीकृत बाल विकास अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। योजना के संबंध में अपने क्षेत्र के आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से भी जानकारी ली सकती है।

शहरी बस्तियों में और बढेंगी इलाज की सुविधाएं

भवन अनुज्ञा, नल कनेक्शन, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, गुमास्ता लायसेंस आदि कार्य समय- सीमा में किए जाएः मुख्य सचिव जैन

नगरीय प्रशासन विभाग की योजनाओं की प्रगति की समीक्षा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की शहरी बस्तियों में रहने वाले गरीब तबकों को अब और भी अधिक आसानी से इलाज की सुविधा मिलेगी। मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना में मोबाइल मेडिकल यूनिट की संख्या 120 से बढ़ाकर 150 की जा रही है। मुख्य सचिव अमिताभ जैन ने शासन की उच्च प्राथमिकता वाली योजनाओं की समीक्षा में नगरीय प्रशासन विभाग के अधिकारियों को शहरी गरीबों के इलाज के लिए ज्यादा से ज्यादा स्थानों पर मोबाइल यूनिटों के माध्यम से चिकित्सा शिविरों का आयोजन करने के निर्देश दिए। उन्होंने ने कहा कि शहरी क्षेत्र में रहने वाले लोगों को नगरीय प्रशासन विभाग की सेवाएं तत्परता से उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने कहा कि भवन अनुज्ञा, नल कनेक्शन, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, गुमास्ता, लायसेंस आदि कार्य समय-सीमा में किए जाए।

मुख्य सचिव जैन ने कहा कि शहरों में बनाए गए कृष्ण कुंज की लगातार मॉनिटरिंग की जाए। बारिश से पूर्व कृष्ण कुंज में पौधे लगाए जाए। उन्होंने शहरी क्षेत्रों में बनाए गए गौठानों में वर्मी कम्पोस्ट और गोबर से पेंट बनाने की इकाईयों की जानकारी ली और गौठानों में रोजगारमूलक गतिविधियों को व्यवस्थित रूप से संचालित करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मितान योजना की मॉनिटरिंग की जाए। अधिकारियों ने बताया कि शहरी लोगों को शासकीय कामकाज के लिए जरूरी दस्तावेज उपलब्ध कराने के लिए मितान योजना को भी विस्तारित करने की योजना है। बैठक में गोबर पेंट का उपयोग, अवैध निर्माणों का नियमितीकरण, व्यवसायिक भूखण्डों का विकास सहित अन्य योजनाओं की भी समीक्षा की गई। इस मौके पर मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव सुब्रत साहू बैठक में मुख्यमंत्री के सचिव डॉ. एस.भारतीदासन, नगरीय प्रशासन विभाग के विशेष सचिव अयाज तम्बोली, संचालक नगरीय प्रशासन आर.एक्का सहित नगरीय प्रशासन विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

बैठक में नगरीय प्रशासन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री स्वास्थ्य स्लम योजना के तहत मोबाइल मेडिकल यूनिट वाहन की संख्या 120 से बढ़कर 150 हो जाएगी। इस योजना में अब तक करीब 44 लाख 37 हजार से ज्यादा मरीजों का उपचार, 38 लाख मरीजों को निशुल्क दवाओं का वितरण और 11 लाख मरीजों को विभिन्न प्रकार का पैथालॉजी टेस्ट किया गया है। मुख्यमंत्री मितान योजना के माध्यम से 68 हजार 723 शासकीय दस्तावेज नागरिकों को उनके घर पर पहुंचाए गए है। मितान योजना के तहत करीब 78 हजार से अधिक लोगों ने शासकीय दस्तावेज घर पर प्राप्त करने के लिए अपायमेंट बुक कराया गया है। श्री धनवन्तरी मेडिकल स्टोर्स योजना के तहत राज्य में 195 धनवन्तरी मेडिकल स्टोर्स संचालित हैं। इन स्टोर के माध्यम से लोगों को कम दामों में उच्च गुणवत्ता की जेनेरिक दवाएं उपलब्ध करायी जा रही है।

अवसर मिले तो दिव्यांग भी कर सकते हैं बड़ा कामः उज्जवला बघेल

रायपुर (ए)। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी की प्रबंध निदेशक उज्जवला बघेल मूक बधिर बच्चों के बीच अर्पण दिव्यांग पब्लिक स्कूल पहुंची। उन्होंने बच्चों के परीक्षा परिणाम की अंकसूची का वितरण किया और उनका हौसला बढ़ाया।

उन्होंने कहा कि इंसान की शक्ति उसकी आत्मा में होती है और आत्मा कभी विकलांग नहीं होती है। हम सभी के लिए ईश्वर ने यह शरीर प्रदान किया है ताकि हम मानव रूप में मानवीय गुणों का विकास कर सकें। उन्हें बेहतर अवसर मिले तो वे भी बड़े से बड़ा काम कर सकते हैं।

श्रीमती बघेल राजेंद्रनगर बजाज कालोनी स्थित अर्पण दिव्यांग पब्लिक स्कूल के वार्षिक परीक्षा परिणाम कार्यक्रम में मुख्य अतिथि थीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर निगम रायपुर के सभापति प्रमोद दुबे ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में शर्मा इंडस्ट्रीज के संदीप शर्मा उपस्थित थे। श्रीमती बघेल ने स्कूल परिसर का भ्रमण किया और मूक-बधिर छात्रों के लिए मुहैया कराई गई सुविधाओं के लिए अर्पण कल्याण समिति की सराहना की। श्रीमती बघेल ने कहा कि किसी भी व्यक्ति के लिए कोई भी शारीरिक अक्षमता उसके आत्मिक विकास में कभी बाधा नहीं बनती है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण प्रख्यात भौतिक विज्ञानी स्टीफन विलियम हॉकिंग थे, जिनका निधन कुछ वर्षों पूर्व 2018 में हुआ। वे न तो बोल सकते थे और न ही लिख सकते थे, इतना ही नहीं वे चल भी नहीं सकते थे। लेकिन उन्होंने इतने बड़े सिद्धांत का प्रतिपादन किया, जिसे सामान्य मनुष्य नहीं कर सके। उन्होंने ब्रम्हांड के रहस्य को लोगों के सामने उजागर किया। स्टीफन हॉकिंग ने ब्लैक होल और बिग बैंग सिद्धांत को समझने में अहम योगदान दिया। उन्होंने 12 से अधिक मानद डिग्रियां और अमेरिका का सबसे उच्च नागरिक सम्मान प्राप्त किया। वे इस जमाने के सबसे बड़े वैज्ञानिक हुए। जबकि देखा जाए तो वे दिव्यांग थे। इसलिए हम कह सकते हैं कि शारीरिक अक्षमता कभी भी मानव के विकास में बाधा नहीं बन सकती है।

विभिन्न सिंचाई योजनाओं के लिए 21.95 करोड़ रुपए स्वीकृत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन ने प्रदेश की विभिन्न सिंचाई परियोजनाओं के कार्यों को कराने के लिए 21 करोड़ 95 लाख 86 हजार रुपए स्वीकृत किए हैं। सिंचाई योजनाओं के पूरा होने से 1356 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा क्षेत्रीय किसानों को मिल सकेगी।

स्वीकृत सिंचाई योजनाओं में कोरिया जिले के विकासखण्ड-मनेन्द्रगढ़ की शंकरगढ़ डायवर्सन योजना के मुख्य नहर में पत्थर के खुदाई एवं सीसी चैनल निर्माण कार्य के लिए 2 करोड़ 99 लाख 73 हजार रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान किए गए है। योजना के पूरा होने से 450 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा मिल सकेगी। विकासखण्ड-मनेन्द्रगढ़ की बिहिनाला व्यपवर्तन योजना में शीर्ष एवं नहर में सुधार कार्य के लिए 1 करोड़ 63 लाख 98 हजार रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान किए गए है। योजना के पूरा होने से 160 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा मिल सकेगी।

विकासखण्ड-बैकुंठपुर की हथवर जलाशय योजना के मुख्य नहर एवं माईनर नहर में मरम्मत एवं सीसी चैनल निर्माण कार्य के लिए 2 करोड़ 17 लाख 73 हजार रुपए प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान किए गए है। योजना के पूरा होने से 103 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा मिल सकेगी। विकासखण्ड-बैकुंठपुर की सारा जलाशय योजना के मुख्य नहर एवं माईनर नहर में मरम्मत एवं सीसी चैनल निर्माण कार्य के लिए 2 करोड़ 99 लाख 9 हजार रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। योजना के पूरा होने से 179 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा मिल सकेगी।

सूरजपुर जिले के विकासखण्ड-सूरजपुर के अंतर्गत ग्राम-जूर में गोबरी नदी के बायें तट में तटबंध (बाढ़ नियंत्रण) कार्य के लिए 2 करोड़ 93 लाख 43 हजार रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। विकासखण्ड-भैयाथान की डुमरिया जलाशय के जीर्णोद्धार कार्य के लिए 1 करोड़ 2 लाख 40 हजार रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। योजना के पूरा होने से 239 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा मिल सकेगी। बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के विकासखण्ड-शंकरगढ़ की चन्द्रनगर जलाशय योजना के एक्वाडक्ट एवं वेस्ट वियर निर्माण कार्य के लिए 2 करोड़ 95 लाख 55 हजार रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। योजना के पूरा होने से 150 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा मिल सकेगी।

विकासखण्ड-बलरामपुर की सिंचाई कॉलोनी बलरामपुर में स्थित पुराना सुधार कार्य एवं नए भवनों का निर्माण कार्य के लिए 2 करोड़ 97 लाख 10 हजार रुपए स्वीकृत किए गए है। जशपुर जिले के विकासखण्ड कुनकुरी की खिजूरबहार स्टापडेम योजना के कार्य के लिए 2 करोड़ 26 लाख 85 हजार रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। योजना के पूरा होने से 75 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा मिल सकेगी।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

प्रीति ड्रेसेस
मेन्स एण्ड लेडिस वियर
जवाहर मार्केट, पावरहाउस, भिलाई
मो. 9589230033, 9993840094

● जीन्स
● टी-शर्ट
● शर्ट
● ट्राउजर
भारत जींस
जवाहर मार्केट, पावर हाउस, भिलाई

आरना इंटरप्राईजेस
कांटावाला
वाटर प्यूरी फायर के विक्रेता एवं सुधारक
छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मान्यता प्राप्त
इलेक्ट्रानिक तराजू एवं सीसीटीवी कैमरा के विक्रेता व सुधारक
सर्कुलर मार्केट केम्प-2, भिलाई, न्यू जेपी स्पोर्ट्स के सामने
7828844440, 9993045122
नया बस स्टैण्ड, शिव मंदिर रोड, दुर्ग, 09981370285, 9302833333

आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
अनुप ट्रेडर्स
सर्कुलर मार्केट, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई

प्रमोद इंटरप्राइजेस
गेंहू, चांवल एवं दाल के थोक विक्रेता
लिंग रोड, केम्प-2, भिलाई-दुर्ग
फोनः 0788-2225449, 93290-13017

Hotel Shiv Prabha Inn. & Town King
The Family Restaurant
46-C Market, Near Sapana Talkies & Hotel Apana Keshari Lodge, Power House, Bhilai, Distt.-Durg (C.G.)
9893215251, 8966981590
Email.: ranjanaguptakeshari@gmail.com

BIHAR BOOT HOUSE
Jawahar Market, Power House
Bhilai 9826181183

कावेरी प्रियम ने किया खुलासा, कैसे पेशेवर और निजी जीवन में बनाती हैं बैलेंस

अभिनेत्री कावेरी प्रियम को शो ये रिश्ते हैं प्यार के में एक नकारात्मक किरदार निभाने के लिए काफी सराहना मिली है और वर्तमान में वह दिल दियां गल्लां में मुख्य भूमिका निभाती नजर आ रही हैं। उन्होंने साझा किया कि किस तरह फैमिली ड्रामा में अमृता का किरदार निभाने के बाद उन्हें अपने जीवन में रिश्तों के महत्व का एहसास होने लगा है। उन्होंने कहा, मुझे अमृता का किरदार निभाए हुए काफी समय हो गया है और मुझे कहना होगा कि जिस तरह से शो ने जीवन की जटिलताओं को चित्रित किया है और दिखाया है कि गलत संचार के कारण मनुष्य कैसे दूर हो जाते हैं, वह सराहनीय है। मुझे लगता है कि दिल दियां गल्लां के साथ, मैं अपने माता-पिता की भावनाओं के बारे में अधिक जागरूक हो गई हूं। अभिनेत्री ने आगे बताया कि कैसे वह अपने पेशेवर और निजी जीवन के बीच संतुलन बनाती हैं और अपने परिवार के लिए समय निकालती हैं। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि यह आपके व्यक्तिगत और पेशेवर जीवन को संतुलित करने का सबसे अच्छा तरीका है। यदि आप अपने करीबी लोगों के साथ संवाद करते हैं तो गलतफहमी के लिए कोई जगह नहीं हो सकती। इस तरह के व्यस्त कार्यक्रम के साथ, मुझे आमतौर पर मेरे माता-पिता के साथ बात करने का मौका नहीं मिलता है। लेकिन मैं अपने ब्रेक के दौरान उनसे बात करने की कोशिश करती हूं ताकि उन्हें भी मेरे दिन के बारे में पता चल सके। दिल दियां गल्लां का प्रसारण सोनी सब पर होता है।

आपके दिमाग के लिए काफी फायदेमंद है कुकिंग, नहीं होती ये बीमारियां! जानिए कैसे?

मानसिक स्वास्थ्य की जब बात आती है तो हम एक्सरसाइज, खेल कूद और फिजिकल एक्टिविटीज को काफी महत्व देते हैं. लेकिन शायद ये कम ही लोग जानते हैं कि कुकिंग यानी खाना पकाना भी मेंटल हेल्थ को बूस्ट कर सकता है. जी हां, होम कुकिंग यानी घर में भोजन पकाना और खाना दिमाग को तेज और स्वस्थ बनाने में अहम भूमिका निभा सकता है. हेल्थ एक्सपर्ट भी होम कुकिंग को मेंटल हेल्थ बूस्टर की तरह मानते हैं. जाहिर है आपके मन में भी यह सवाल उठ रहा होगा कि आखिर कुकिंग का मेंटल हेल्थ से क्या लेना देना. दरअसल जिन लोगों कुकिंग का शौक होता है, उन्हें देखने पर पता चल जाता है कि वो कुकिंग को मेंटली कितना इन्जॉय करते हैं क्योंकि खाना पकाने की हर प्रोसेस असल में आपके दिमाग को ताजा, मजबूत और फोक्सड रखने में मदद करती है.

सेंस करने की पॉवर बढ़ती है

दरअसल जब हम खाना पकाते हैं तो हमारी सेंस पॉवर बढ़ जाती है. किस चीज को कितना पकाना है, कितने मसाले डालने हैं, इसके लिए हमें सेंस बढ़ाने की जरूरत पड़ती है. इसकी मदद से हम बिना तोले और मापे अपने अंदाज से चीजों को सही समय पर पकाते हैं. इसका फायदा ये होता है कि इस दौरान दिमाग शांत होता है और डाइवर्ट हो जाता है और परेशानी कम हो जाती है. इसके अलावा मानसिक बीमारियों से बचने के साथ साथ आपके सोचने समझने की शक्ति भी बढ़ती है.

मेडिटेशन की तरह काम करता है

इंग्रेडिएंट्स तैयार करना, सीजनिंग को कस्टमाइज करना और खाना पकाने की प्रक्रिया को देखना ये सभी स्किल हैं जो कुकिंग आपका ध्यान उन चीजो से हटाकर केंद्रित रहने में मदद कर सकती हैं जिनसे आपको बचना चाहिए. ये कुछ प्रकार के मानसिक रोगों को ठीक करने में प्रभावी है.

मोटर स्किल बूस्ट होती है

जब हम सब्जी काटते हैं तो चाकू किस तरह चलाना है, कितने प्रेशर से चलाना है और कितनी गहराई तक सब्जी काटनी है, इसके जरिये हमारा मोटर स्किल बूस्ट होता है.

फोकस्ड माइंड की जरूरत

जब हम सब्जी पकाते हैं तो हमारा फोकस बढ़ता है, जरा सी गलती और सब्जी का जल जाना, दूध का फट जाना और उबल कर बाहर गिर जाना. इन सबके लिए माइंड फोकस की जरूरत होती है. सब्जी पकने में लगने वाला समय, उसके पकने पर ध्यान फोकस करना, सही मसालों का कॉम्बिनेशन करते समय फोकस करने की जरूरत है और इसी प्रोसेस से माइंड को फोकस्ड करने में काफी मदद मिलती है.

मलाइका अरोड़ा का नया गाना तेरा की ख्याल रिलीज, गुरु रंधावा संग आईं नजर

मलाइका अरोड़ा पिछले लंबे वक्त से फिल्मों से दूर हैं, लेकिन वह म्यूजिक वीडियो के जरिए प्रशंसकों को बीच चर्चा में रहती हैं। अब मलाइका का नया गाना तेरा की ख्याल रिलीज हो गया है, जिसमें वह गुरु रंधावा संग नजर आ रही हैं। रंधावा ने इस गाने को अपनी आवाज दी है और रॉयल मान के साथ मिलकर इसके लिरिक्स लिखे हैं। गाने का म्यूजिक संजय ने तैयार किया है, जबकि इसका निर्देशन बोस्को लेस्ली मार्टिस ने किया है। तेरा की ख्याल में मलाइका और रंधावा को जोड़ी दर्शकों को बेहद पसंद आ रही है।

मलाइका अपने सिजलिंग लुक और डांस मूव्स से सभी का ध्यान खींचती हैं, पंजाबी गायक अपनी सुरीली आवाज से सभी को मंत्रमुग्ध कर देते हैं। वीडियो में मलाइका अरोड़ा और गुरु रंधावा को एक-दूसरे के साथ रोमांस करते और साथ में बेहद आकर्षक नजर आ रहे हैं. वीडियो ने फैन्स के बीच काफी एक्साइटमेंट क्रिएट कर दी है.

गौरतलब है कि मलाइका अभिनय से कहीं ज्यादा अपने डांस स्टाइल को लेकर जानी जाती हैं। उन्होंने छैय्या छैय्या, गुड़ नाल इश्क मिठा, माही वे, मुन्नी बदनाम हुई, पांडे जी सीटी जैसे गानों में जबरदस्त डांस किया है।

तेलुगू फिल्म छत्रपति के हिंदी रीमेक का टीजर जारी

राजामौली की 2005 की तेलुगू ब्लॉकबस्टर 'छत्रपति' की आधिकारिक हिंदी रीमेक, जो तेलुगू अदाकार श्रीनिवास बेलमकोंडा की पहली बॉलीवुड शुरूआत भी है, 12 मई को अखिल भारतीय रिलीज के लिए तैयार है. 'छत्रपति' का एक्शन से भरपूर टीजर, जिसे जारी किया गया था, बेलमकोंडा द्वारा प्रमुख चरित्र का परिचय दिया गया. बेलमकोंडा ने कहा, मैं 'छत्रपति' जैसी विशेष फिल्म के साथ बॉलीवुड में अपनी शुरूआत करने को लेकर खुश हूं, जो एक रोमांचक और सुन्दर सामूहिक एक्शन फिल्म है. इस फिल्म पर काम करने का हर पल उतना ही रोमांचक था जितना कि यह चुनौतीपूर्ण था और आखिरकार हम खुश हैं इसे हिंदुस्तान भर के दर्शकों के सामने पेश करें. यह फिल्म एसएस राजामौली की तेलुगू ब्लॉकबस्टर 'छत्रपति' की आधिकारिक हिंदी रीमेक है और इसे उनके पिता और अनुभवी लेखक वी। विजयेंद्र प्रसाद ने लिखा है, जिन्हें 'आरआरआर', 'बाहुबली' सीरीज और 'आरआरआर' जैसी फिल्मों में उनके गौरतलब काम के लिए जाना जाता है.

नाइट शिफ्ट में करते हैं काम तो सेहत को लेकर रहें अलर्ट इन बातों का रखें विशेष ध्यान वरना हो जाएंगे बीमार

सामान्यतौर पर दिन का समय काम करने और रात का समय सोने और शरीर को आराम देने के लिए निर्धारित होता है। हालांकि कुछ विशेष प्रकार के कार्य से संबंधित लोगों को अलग-अलग शिफ्ट में काम करते रहने की जरूरत होती है। ऐसे में लोगों को रात के समय भी काम करना पड़ता है, आम बोलचाल की भाषा में इसे नाइट शिफ्ट वर्क कहा जाता है। डॉक्टर, नर्स, अग्निशामक, ड्राइवर, हवाई यातायात नियंत्रक और कुछ अन्य आवश्यक कार्यों से जुड़े लोगों को रात के समय काम करना पड़ता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक संबंधित क्षेत्र का काम अनवरत चलता रहे, इसके लिए नाइट शिफ्ट में काम होना आवश्यक है, पर सेहत के लिहाज से इसकी कई चुनौतियां हो सकती हैं।

रात की पाली में काम करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। लगातार इसी पाली में काम करने वाले लोगों के स्वास्थ्य पर इसका नकारात्मक असर भी हो सकता है। अध्ययन भी इसकी पुष्टि करते हैं कि ऐसे लोगों में कई तरह की बीमारियों का जोखिम, दिन की पाली में काम करने वालों की तुलना में अधिक होता है।

कई तरह की समस्याओं का जोखिम

नेशनल स्लीप फाउंडेशन के अनुसार, नाइट शिफ्ट और लंबे समय तक काम करने वाले लोगों में कई तरह की समस्याओं का खतरा हो सकता है। इनमें मेटाबॉलिज्म संबंधी समस्याओं, हृदय रोग, पाचन संबंधी कठिनाइयों, मोटापा और कुछ प्रकार के कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे लोगों की नींद अक्सर पूरी नहीं हो पाती है, इसलिए इसका साइड इफेक्ट भी उनकी सेहत को प्रभावित कर सकता है।

नींद पूरी करने की कोशिश जरूरी

रात के समय नींद पूरी न होने के कारण थकान और चिड़चिड़ापन की समस्या बढ़ जाती है, नाइट शिफ्ट वाले लोगों में भी इस तरह की दिक्कत होना सामान्य है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक रात में जागने से सर्कैडियन रिदम प्रभावित होता है, जिसके कारण व्यवहार और शारीरिक रूप से कई समस्याएं हो सकती हैं। इन दिक्कतों से बचे रहने के लिए काम शुरू करने से पहले एक छोटी नैप ले सकते हैं। नींद पूरी करने की कोशिश करें।

आहार का रखें ध्यान

शोध बताते हैं कि रात की पाली में काम करने वाले कर्मचारियों में मेटाबोलिक सिंड्रोम का जोखिम अधिक होता है। इसके अलावा आहार ठीक न होने और स्लीप साइकिल डिस्टरबेंस के कारण मोटापे का खतरा 23 फीसदी तक बढ़ जाता है। ऐसे लोगों को आहार को लेकर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। स्वस्थ और पौष्टिक चीजों का सेवन करें। जंक-प्रोसेस्ड फूड्स से बचें। रात में काम के दौरान खाते रहने की आदत नुकसानदायक हो सकती है।

बहुत अधिक कॉफी-चाय न पिएं

रात में अक्सर जागने के लिए लोग कॉफी-चाय का सेवन करते हैं। इनमें पाया जाना वाले कैफीन एक उत्तेजक के रूप में काम करता है, जो शरीर को सक्रिय रखने में मदद करता है। हालांकि बहुत अधिक कैफीन का शरीर पर कई तरह से नकारात्मक असर भी हो सकता है। कैफीन वाली चीजों का अनुचित उपयोग गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल समस्याओं और मांसपेशियों में कंपन पैदा कर सकता है।

पिंक आउटफिट में एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे दिखीं गजब की बला

टीवी सीरियल पवित्र रिश्ता से लोगों के दिलों में पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे अपनी खूबसूरती और अदाकारी से फैंस को घायल किए रहती हैं। उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर भी धमाल मचाती हैं। वहीं, उनकी लेटेस्ट तस्वीरें फैंस को बेताब किए हुए हैं। एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे इन दिनों सोशल मीडिया पर अपने लुक्स को लेकर काफी चर्चाओं में हैं। पिंक कलर के स्टाइलिश आउटफिट में एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे बेहद ही गॉर्जियस लग रही हैं। उनकी तस्वीरें देखकर फैंस अपने दिलों को थामे नजर आ रही हैं। हेयर स्टाइल के साथ ही मिनिमल मेकअप में एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे की तस्वीरें देख कर हर कोई उनकी अदा पर फिदा हो रहा है। ग्लॉसी मेकअप के साथ ही ईयरिंग्स पहने हुए एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे गजब की बला लग रही हैं। अंकिता लोखंडे की आंखों में लगा गहरा काजल देख फैंस उनकी आंखों में डूबने को मजबूर हैं। अंकिता की खूबसूरती देखकर कोई भी उनका कायल हो जाए। वहीं, उनके स्टाइल को चार चांद लगा रहा है। सोशल मीडिया पर फैंस उनकी तस्वीरों पर बेशुमार कमेंट्स कर रहे हैं। जो उनकी फोटोज पर हॉर्ट और फायर इमोजी पोस्ट कर रहे हैं। एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे अपने निजी और प्रोफेशनल पलों को फैंस के साथ साझा करना बिल्कुल नहीं भूलती हैं। अंकिता लोखंडे के इंस्टाग्राम पर 4 मिलियन से ज्यादा लोग फॉलो करते हैं।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

नगरों के सुव्यवस्थित एवं सुनियोजित विकास के लिए मास्टर प्लान तैयार करने संबंधी बैठक संपन्न

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशा के अनुरूप राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के नगरों का मास्टर प्लान प्राथमिकता के आधार पर तैयार करने हेतु विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं, ताकि प्रदेश के समस्त नगरीय निकायों तथा नव गठित जिलो का सुव्यवस्थित एवं सुनियोजित विकास को नया आयाम दिया जा सके। इसी तारतम्य में नवा रायपुर अटल नगर, इंद्रावती भवन में संचालनालय, नगर तथा ग्राम निवेश द्वारा अत्याधुनिक तकनीकों के माध्यम से प्रदेश के महत्वपूर्ण नगरो का मास्टर प्लान तैयार किया जा रहा है, जिसमें शहर की आवश्यकता के आधार पर तथा आम जनता के सुविधा प्रदान करने की दृष्टिकोण से आमोद-प्रमोद, रोड, पार्किंग, वाणिज्यिक गतिविधियाँ, औद्योगिक, आवासीय आदि प्रयोजन हेतु मास्टर प्लान में प्रावधान करते हुए सुव्यवस्थित विकास को महत्व दिया गया है। इसी तरह नगर तथा ग्राम निवेश विभाग द्वारा प्रदेश के लगभग 56 महत्वपूर्ण शहरों का मास्टर प्लान जी.आई.एस आधार पर तैयार कर लिया गया है, जो कि विभाग के विभागीय वेबसाईट में भी अंगीकरण के आधार पर आमजनता के अवलोकन हेतु उपलब्ध है। विभाग द्वारा वार्षिक लक्ष्य निर्धारित किया जाकर मास्टर प्लान बनाने का कार्य सुनियोजित तरीके से किया जा रहा है।

इसी परिपेक्ष्य में विस्तृत चर्चा तथा आमजनता को मास्टर प्लान में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के दृष्टिकोण से विशेष सचिव आवास एवं पर्यावरण श्री जनक प्रसाद पाठक की अध्यक्षता में विभागीय अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई।

मेधावी विद्यार्थियों को मेडिकल-इंजीनियरिंग की दी जाएगी निःशुल्क कोचिंग

गरियाबंद। जिले के प्रतिभावान और इच्छुक छात्र-छात्राओं को निशुल्क मेडिकल और इंजीनियरिंग की कोचिंग दी जाएगी। कलेक्टर श्री प्रभात मलिक ने विद्यार्थियों की कोचिंग व्यवस्था के लिए विशेष पहल की है। बच्चों को जिला प्रशासन द्वारा चयनित उत्कृष्ट कोचिंग संस्थान द्वारा उच्च गुणवत्ता की कोचिंग दी जाएगी। कोचिंग संस्थान बच्चों को बेहतर तकनीक की मदद से ऑडियो वीडियो तरीके से मेडिकल-इंजीनियरिंग की तैयारी करवाएंगे। साथ में जिले के विषय विशेषज्ञ शिक्षक गण बच्चों के डाउट क्लियर करने में भी मदद करेंगे। कलेक्टर श्री मलिक ने इसके लिए प्रत्येक विकासखंड में दो केंद्रों का चयन करने और प्रत्येक केंद्रों में दो विषय विशेषज्ञों के इंतजाम कर आवश्यक कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए हैं। इस संबंध में कलेक्टर ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक ली। बैठक में एडीएम श्री अविनाश भोई, डीईओ श्री डी.एस. चौहान सहित सभी बीईओ, बीआरसी और प्रिंसिपल शामिल हुए। समीक्षा बैठक में कलेक्टर श्री मलिक ने स्कूली बच्चों के जाति प्रमाण पत्रों के बारे में भी जानकारी ली। उन्होंने विकासखंड वार और स्कूलवार अभी तक बन चुके और बनाने के लिए लंबित जाति प्रमाण पत्र की जानकारी ली। साथ ही छूटे हुए बच्चों के जाति प्रमाण पत्र बनाने के कार्य को अप्रैल माह तक पूर्ण करने के निर्देश सभी बीईओ - बीआरसी को दिए। कलेक्टर ने जाति प्रमाण पत्र की अद्यतन स्थिति जानने के लिए स्कूलवार बच्चों का पंजीयन, जारी जाति प्रमाण पत्र, लंबित आवेदन और पात्र बच्चों की जानकारी युक्त संयुक्त प्रतिवेदन सभी बीईओ - बीआरसी को भी देने के निर्देश दिए। उन्होंने जानकारी एकत्र कर जाति प्रमाण पत्र बनाने के कार्य में प्रगति लगाते हुए तेजी से कार्य को पूर्ण करने के निर्देश दिए।

2 नए परीक्षा केंद्र खुलने से परीक्षार्थियों की अतिरिक्त परेशानी हुई दूर

14 साल बाद धुर नक्सल प्रभावित क्षेत्र जगरगुंडा में हुई माशिमं की परीक्षा

श्रीकंचनपथ न्यूज

सुकमा। धुर नक्सल प्रभावित क्षेत्र जगरगुंडा में हालात सामान्य होते ही जिला प्रशासन के प्रयासों से परीक्षार्थियों को राहत दिलाने के लिए दोरनापाल में संचालित जगरगुंडा परीक्षा केंद्र पुनः जगरगुंडा में स्थापित किया गया। ग्राम में केंद्र के संचालन से जगरगुंडा, चिंतलनार के परीक्षार्थियों की अतिरिक्त परेशानियां भी कम हुई और परीक्षा की तैयारी के लिए भरपूर समय मिला। जिले में माशिमं की परीक्षा के सफल आयोजन के लिए 16 परीक्षा केंद्र बनाये गए थे। विगत वर्षों में 14 केंद्रों में बोर्ड परीक्षा सम्पन्न कराई जाती थी।

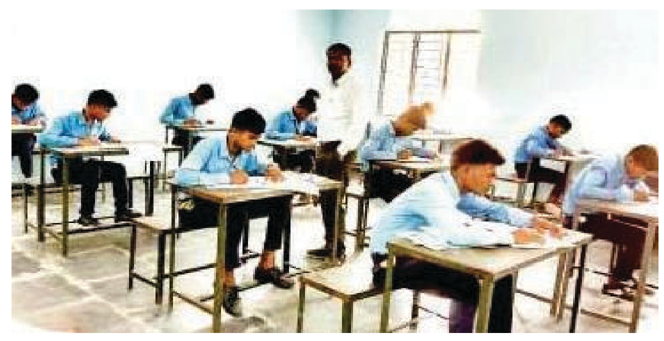

इस वर्ष 2 नए परीक्षा केंद्र बनाए गए। जगरगुंडा में पुनः माशिमं की बोर्ड परीक्षा का आयोजन होने से चिंतलनार, जगरगुंडा के विद्यार्थियों और उनके पलकों में उत्साह है। इसके लिए उन्होंने खुशी जाहिर करते हुए शासन प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

धुर नक्सल प्रभावित ग्राम जगरगुंडा को 14 साल बाद परीक्षा केंद्र को पुनः जगरगुंडा में संचालन करने की स्वीकृति मिली है। सलवा जुडूम अभियान के बाद से जगरगुंडा की शैक्षणिक संस्थाओं को दोरनापाल में संचालित की जाती थी। परीक्षार्थियों को परीक्षा में शामिल होने के लिए 56 किमी की दूरी तय करके एक माह पूर्व दोरनापाल जाना पड़ता था। परीक्षार्थियों के ठहरने के लिए विभाग द्वारा परीक्षा सम्पन्न होने तक आश्रम-छात्रावास में वैकल्पिक व्यवस्था कराई जाती थी। वहीं कुछ बच्चे किराए के मकान में रहकर परीक्षा में शामिल होते थे। साथ ही परीक्षा केंद्र दूर होने से कुछ बच्चे बोर्ड परीक्षा से वंचित होते थे। शैक्षणिक सत्र 2018-19 में आश्रम-शालाओं को दोरनापाल से पुनः जगरगुंडा में संचालित की गई, लेकिन परीक्षा केंद्र दोरनापाल में ही संचालित किया जाता था। जिससे जगरगुंडा, चिंतलनार के 10वीं, 12वीं के परीक्षार्थियों को 2 साल तक बोर्ड परीक्षा में शामिल होने के लिए दोरनापाल आना पड़ता था। अब जगरगुंडा में ही परीक्षा केंद्र संचालन से विद्यार्थियों को ज्यादा दूर सफर करना नहीं पड़ेगा।

जिला शिक्षा अधिकारी श्री नितिन डडसेना ने बताया कि इस वर्ष शासन से 2 नये परीक्षा केंद्र की स्वीकृति मिली, जिनमें सुकमा विकासखंड के मुरतोंडा, कोंटा विकासखंड के मराईगुड़ा (वन)शामिल है। साथ ही दोरनापाल में संचालित जगरगुंडा परीक्षा केंद्र को भी पुनः जगरगुंडा स्थापित किया गया है। विगत वर्षों में 14 परीक्षा केंद्रों से बोर्ड परीक्षा संपन्न कराई जाती थी। इस वर्ष 16 केंद्रों में सफलतापूर्वक परीक्षा सम्पन्न कराया गया। इस वर्ष जगरगुंडा के परीक्षा केंद्र में 10वीं के 16 बच्चे और 12वीं के 26 बच्चे बोर्ड परीक्षा में शामिल हुए। वहीं मुरतोंडा में केंद्र में 56 बच्चे, मरईगुड़ा (वैन) में 19 बच्चे 10 वीं की बोर्ड परीक्षा दिए।

जगरगुंडा परीक्षा केंद्र में हेलीकॉप्टर से भेजे गए पर्चा

जगरगुंडा के विद्यार्थियों को परीक्षा में किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो इसके लिए शासन प्रशासन द्वारा हेलीकॉप्टर से 4 दिन पहले ही पर्चा पहुंचाई गई। साथ ही परीक्षा केंद्र में पर्याप्त व्यवस्था भी सुनिश्चित किया गया था। कड़ी सुरक्षा में परीक्षा के सफल आयोजन के बाद सभी पर्चा हेलीकॉप्टर से जिला मुख्यालय लायी गयी।

विद्यार्थियों की संख्या में होगी वृद्धि-कलेक्टर

कलेक्टर हरिस एस. ने कहा कि जगरगुंडा के छात्र-छात्राओं को परीक्षा के अतिरिक्त किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो इसके लिए दोरनापाल में संचालित परीक्षा केंद्र को पुनः जगरगुंडा में स्थापित किया गया है। जिससे परीक्षार्थियों को ज्यादा दूर सफर करना नहीं पड़ेगा और उन्हें परीक्षा की तैयारी के लिए भी भरपूर समय मिलेगा। साथ ही परीक्षा केंद्र स्थापित करने से क्षेत्र में निश्चित तौर से विद्यार्थियों की संख्या में वृद्धि होगी।

पढ़ाई के लिए युवाओं को मिली आर्थिक मदद

युवाओं का शासन की बेरोजगारी भत्ता योजना में बढ़ा रूझान

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा राज्य के शिक्षित बेरोजगार युवाओं के हित में एक बड़ा कदम उठाते हुए छत्तीसगढ़ बेरोजगारी भत्ता योजना का शुभारंभ किया है। जिले के युवाओं में बेरोजगारी भत्ता प्राप्त करने के लिए रूझान दिखाई दिया। कलेक्टर श्री डोमन सिंह के निर्देशन में युवाओं के आवेदनों का सत्यापन करने के लिए चाक-चौबंद व्यवस्था की गई है। नगर निगम आयुक्त डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी ने बताया कि आवेदनों के सत्यापन के लिए विभिन्न स्थानों पर केन्द्र बनाये गये हैं और दस्तावेजों का परीक्षण लगातार किया जा रहा है।

5 एवं 6 अप्रैल 2023 को कुल 145 आवेदकों के दस्तावेजों का सत्यापन किया गया। जहां आवेदन जांच के लिए शासकीय व्याख्याताओं, शिक्षकों एवं कम्प्यूटर आपरेटरों की ड्यूटी लगाई गयी है।यह उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ सरकार की एक अनूठी पहल है। जिसके तहत राज्य के शिक्षित बेरोजगार युवाओं को भत्ते के रूप में 2500 रूपए की राशि प्रतिमाह आर्थिक सहायता के रूप में तब तक उपलब्ध कराई जाएगी, जब तक उन्हें कोई रोजगार उपलब्ध नहीं जाता है। इसके लिए 1 अप्रैल 2023 से ऑनलाइन आवेदन प्रारंभ कर दिया गया है। आवेदन के पश्चात पात्र युवाओं को 1 अप्रैल से प्रति माह 2500 रूपए की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। जिससे युवाओं को अपने आगे की पढ़ाई एवं रोजगार स्थापित करने में मदद मिलेगी। जिले में बेरोजगारी भत्ता हेतु सत्यापन के लिए ठाकुर प्यारेलाल स्कूल पहुंचे पुलिस लाईन निवासी समोद यादव ने कहा यह योजना छत्तीसगढ़ सरकार की ओर से राज्य के युवाओं के लिए एक अच्छी पहल है।

इससे युवाओं को अपनी आगे की पढ़ाई कर अच्छा भविष्य बनाने के लिए आर्थिक सहायता मिल जायेगी। उन्होंने कहा कि इस भत्ते का उपयोग मैं अपने रेलवे की पढ़ाई करने में करूंगा। जिससे मुझे परीक्षा फॉर्म भरने, ट्यूशन एवं किताबों के लिए अब किसी पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा और इन पर होने वाले खर्चों से भी राहत मिलेगी। इसी सेंटर में सत्यापन के लिए पहुंची तुलसीपुर निवासी मेघा प्रदीप ने कहा कि योजना से हम युवाओं को बहुत मदद मिलेगी। मैं अपने बीकॉम की पढ़ाई के बाद डीएड की पढ़ाई कर रही हूँ। इससे बीएड की पढ़ाई करने में काफी आर्थिक मदद मिलेगी। इसी प्रकार तुलसीपुर वार्ड नंबर 17 निवासी प्रशांत कुमार मेश्राम ने बताया कि वे हमेशा से ही वाहन चलाना सीख कर अच्छे ड्राइवर के रूप में रोजगार प्राप्त करना चाहते थे।

नगर में धूमधाम से मनाया गया रामभक्त हनुमान जन्मोत्सव

श्रीकंचनपथ न्यूज

गरियाबंद। चैत्र मास की पूर्णिमा के अवसर पर भगवान श्री राम के अनन्य भक्त हनुमान जी जन्मोत्सव गुरुवार को शहर भर में धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाया गया।भक्तों में संकटमोचन श्री हनुमान के जन्मोत्सव को लेकर उत्साह नजर आ रहा है।शहर के हनुमान मंदिरों में भगवान का दूध,दही, शहद, घी और गंगाजल से विशेष अभिषेक कर श्रंगार किया गया और नई पोशाक धारण करवाई गई।जन्मोत्सव पर हनुमान मंदिरों में श्रद्धालुओं की अपार भीड़ नजर आई और हनुमान जी के जयकारे गूजें। भक्तजनों ने हनुमान जी का दर्शन कर प्रसाद अर्पित कर संकट हरण की कामना की। मंदिरों में पूजा पाठ के बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद का वितरण किया गया। हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर शहर के सबसे पुराने हनुमान मंदिर में अखंड रामायण का पाठ के साथ ही हनुमान चालीसा की चौपाइयों से गुंजायमान हुई।

ज़िला मुख्यालय सहित आस पास गाँव में गुरुवार को हनुमान जन्मोत्सव धूमधाम से मनाई गई। गौरव पथ मार्ग गांधी मैदान के सम्मुख स्थित दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर सहित नगर के विभिन्न हनुमान मंदिर में श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव से हनुमान जी की आरती की और फिर प्रसादी का भोग लगाकर भंडारा किया।इस मौके पर शहर के लगभग सभी हनुमान मंदिरों को विशेष आकर्षक रोशनी से सजाया भी गया बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने राम भक्त हनुमान की पूजा अर्चना कर उनसे आशीर्वाद ग्रहण किया सभी हनुमान मंदिरों में हनुमान जी का विशेष श्रृंगार कर महाआरती की गई। नगर के अनेक हनुमान मंदिरों पर भजन, आरती के कार्यक्रम हुए। हनुमान जन्मोत्सव के मौके पर शहर के हनुमान मंदिरों पर विशेष धार्मिक अनुष्ठानों का भी आयोजन किया गया। दर्शन के लिए लंबी लाइने मंदिरों में देखने को मिलीं।आयोजन समिति से जुड़े बँसत मिश्रा ने बताया कि हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में गरियाबंद के गौरव पथ मार्ग गांधी मैदान के सम्मुख स्थित दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर में संकट मोचन समिति एवं श्रद्धालुओं के द्वारा भव्य कार्यक्रम आयोजित कर हनुमान जन्मोत्सव मनाया गया।जिसमें हजारों की संख्या में भक्तों ने भगवान का भोग लगाकर एवं प्रसादी ग्रहण कर बजरंगबली का गुणगान किया। कार्यक्रम में इनका रहा योगदान संकट मोचन समिति के अध्यक्ष संजय गुडलवार,उपाध्यक्ष आनंद ठाकुर प्रतीक तिवारी,सचिव बसंत मिश्रा एवं राज डे कोषाध्यक्ष जितेंद्र गुप्ता संरक्षक तेजेश शर्मा अमितेश शुक्ला, मानव निर्मलकर सागर सिन्हा शिवांग त्रिपाठी अविनाश कटारे प्रकाश यादव आदि प्रमुख रूप से सम्मिलित रहे!

कैट ने सोशल मीडिया तथा ओटीटी प्लेटफॉर्म के लिए निगरानी तंत्र गठित करने की मांग उठाई - अमर पारवानी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमर पारवानी, चेयरमेन मगेलाल मालू, अमर गिदवानी, प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र दोशी, कार्यकारी अध्यक्ष विक्रम सिंहदेव, परमानन्द जैन, वाशु माखीजा, महामंत्री सुरिन्द्रर सिंह, कार्यकारी महामंत्री भरत जैन, कोषाध्यक्ष अजय अग्रवाल एवं मीड़िया प्रभारी संजय चौंबे ने कन्फ़ेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने ओटीटी प्लेटफॉर्म पर सरकार द्वारा उनकी लगाम कसने पर ज़ोर देते हुए कहा की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर इन प्लेटफार्म पर जो कुछ अवांछनीय परोसा जा रहा है, अब उसको रोका जाना ज़रूरी है।

कैट के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमर पारवानी एवं प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र दोशी ने कहा की केवल यही काफी नहीं है बल्कि 'इन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म तथा ओटीटी प्लेटफार्म को इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी क़ानून की धारा 79 के अंतर्गत मध्यस्थ का लाभ लेने से भी रोका जाना ज़रूरी है क्योंकि यदि कोई शिकायत सही पाई भी गई तो ये सोशल प्लेटफार्म मध्यस्थ की आड़ लेकर बच जाएँगे। यह देखा गया है कि पूर्व में सोशल मीडिया प्लेटफार्म एवं अन्य वर्गों की कम्पनियों ने इस धारा का सहारा लेते हुए उनके खिलाफ़ हुई शिकायतों से पल्ला झाड़ लिया था। श्री पारवानी एवं श्री दोशी ने यह भी कहा की सरकार को ओटीटी प्लेटफार्म पर भी तुरंत ध्यान देना चाहिए जहां जमाने भर की अश्लीलता अपने चरम पर है लेकिन उनको देखने वाला कोई तंत्र नहीं है।

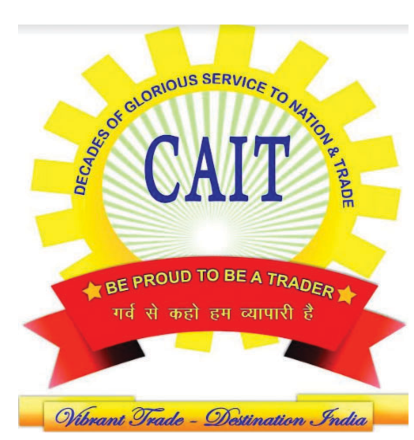

श्री पारवानी एवं श्री दोशी ने ज़ोर देकर कहा की हमें यह नहीं भूलना चाहिए की ये सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म विदेशी कंपनियों के हाथों की कठपुतली है और उन्हीं के इशारों पर नाचते हैं जबकि भारत जैसे देश में जहां सदैव संस्कृति, सभ्यता और संस्कार का बोल बाला रहता हैं वहाँ पिछले वर्षों में इन सोशल प्लेटफार्म ने भारतीय परंपराओं के ऊपर सीधा आघात पहुँचाया है और बेलगाम तरीक़े से लोग अपनी मन मर्ज़ी के मुताबिक़ इनका इस्तेमाल करते आ रहे हैं और कोई शिकायती तंत्र न होने की वजह से कोई सुनने वाला भी नहीं है। एक तरीके से यह हमारी आंतरिक संस्कृति के ऊपर युद्ध का काम कर रहे हैं जिस पर तुरंत विराम लगाया जाना बेहद ज़रूरी है।

श्री पारवानी एवं श्री दोशी ने कहा की पहले सिनेमा समाज में संदेश देते थे तथा कहीं यह गलत संदेश न दे, तो सेंसर बोर्ड बनाया गया ताकि देश की संस्कृति, सभ्यता एवं पुरातन विरासत संभली रहे। टेक्नोलॉजी के बहुतायत प्रयोग से अब सोशल मीडिया प्लेटफार्म का बड़े पैमाने पर उपयोग हो रहा है और जो देश में एक मज़बूत संदेशवाहक का काम कर रहे हैं । ऐसे में देर से ही सही पर सरकार ने एक बहुत अच्छा कदम उठाते हुए इन प्लेटफार्म के विरुद्ध शिकायत के लिए कमेटियां बनाई हैं जो इन सोशल प्लेटफॉर्म पर एक प्रकार से देश के विरुद्ध, व्यक्ति विशेष के विरुद्ध या हमारी संस्कृति के विरुद्ध अफ्वाह फैलाने का बहुत बड़ा माध्यम बनने से रोके जा सकेंगे।

श्री पारवानी एवं श्री दोशी ने कहा की हमारा देश विश्व का सबसे युवा देश बनने जा रहा है। हमारे युवाओं को भ्रमित करना वह उन्हें विकसित होने से रोकने के लिए यह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक तरीके से नशे की लत हमारे युवा में लगा रहे हैं। 25 साल बाद हम लोग हमारे देश की आजादी की शताब्दी मनाएंगे। उस समय यह प्लेटफार्म हमें कितना दूषित कर देंगे इस पर विचार करना बहुत जरूरी है। इसलिए सरकार का इस दिशा में उठाया गया कदम स्वागत योग्य है।

वरिष्ठ नागरिकों के लिए राजधानी रायपुर में युवा पहल संस्था का अभियान शुरू

सिर्फ एक फोन कॉल पर डॉक्टर आपके घर पहुंचेंगे

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। याद कीजिए ,आज से कुछ दशक पहले जब घरेलू डॉक्टर आपके घर पहुँचकर आपका या आपके परिवार के सदस्यों का हालचाल पूछते और थे और अगर कोई बीमार हुआ तो उसका इलाज किया करते थे। शहरीकरण और आधुनिकता के इस दौर में घरेलू डॉक्टर तो अब लगभग विलुप्त हो चुके हैं।

लेकिन छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के कुछ डॉक्टरों की एक रचनात्मक पहल देखकर उन घरेलू डॉक्टरों की याद आने लगती है ,जो बीमारियों के दौरान आपके परिवार के हर सुख-दु:ख के साथी हुआ करते थे। इन डॉक्टरों ने एक मोबाइल फोन कॉल पर बीमार बुजुर्ग नागरिकों के घर जाकर उनके समुचित इलाज का प्रेरणादायक अभियान शुरू किया है। डॉक्टरों का यह अभियान नि:शुल्क है। इसके तहत डॉक्टरों को किसी मरीज़ से टेलीफोन मिलने पर डॉ. सत्यजीत साहू के नेतृत्व में डॉक्टरों की टीम उस मरीज़ के घर पहुँचकर उनका स्वास्थ्य परीक्षण करके आवश्यकतानुसार इलाज भी करती है। समाजसेवी संस्था युवा पहल द्वारा 'फ्री सीनियर सिटीजन्स होम विजिट' के नाम से यह नया और अनोखा सेवा अभियान राजधानी के कोटा इलाके से शुरू किया गया। टीम के संपर्क नंबर पर कोटा रायपुर से फोन आया ,जिसके आधार पर डॉक्टरों की टीम ने कोटा निवासी सेवानिवृत्त कर्मचारी श्री त्रिपाठी जी के घर पहुँचकर उनका स्वास्थ्य परीक्षण किया। इस मेडिकल टीम में डॉ रोहित के साथ नर्सिंग ब्रदर शहबाज खान और जागेश्वर शामिल थे।

टीम के प्रमुख और छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध मधुमेह विशेषज्ञ डॉ. सत्यजीत साहू ने आज यहाँ बताया कि वरिष्ठ नागरिकों के के प्रति समाज में जागरूकता और सेवा का कर्तव्य भाव जाग्रत करना भी इस अभियान का महत्वपूर्ण उद्देश्य है. उन्होंने बताया कि इस प्रकल्प में समाजसेवी संस्था 'डॉक्टर्स ऑन स्ट्रीट और प्रोग्रेसिव युटिलाईजेशन ऑफ रिसर्च एंड इकानामिक्स का सक्रिय सहयोग मिल रहा है। डॉ सत्यजीत साहू की टीम का है . श्रेयांस हास्पिटल के डॉ. प्रकाश सिंह और सेवा पहल के संस्थापक राहुल शर्मा ने इस सेवा कार्य की योजना की रूपरेखा बनाकर अपनी टीम को सेवा कार्य करने की प्रेरणा दी .इस प्रकल्प के संयोजक युवा पहल के अनुराग शर्मा हैं जिन्होंने युवा पहल के प्रणव तिवारी के साथ अन्य सेवाभवी साथियों और समाज में सक्रिय नागरिक के साथ इस प्रकल्प के लिये एक कोआर्डिनेशन टीम बनाई है. टीम ने अपने मोबाइल नम्बर भी जारी किए हैं । सेहत खराब होने पर वरिष्ठ नागरिक इन नम्बरों पर युवा पहल संस्था के संयोजकों से मोबाइल पर सम्पर्क कर सकते है।

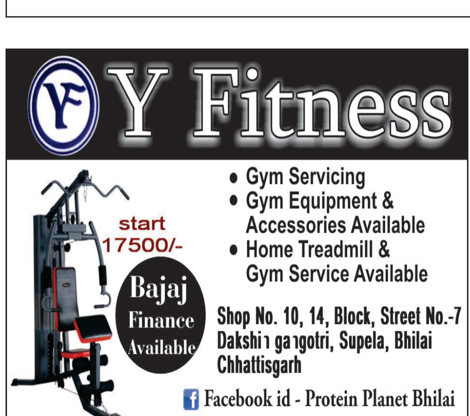

खास-खबर

खड़े ट्रक से जा टकराई बाइक, एक युवक की मौतः दूसरे युवक की हालत गंभीर, गंगरेल से घूमकर मोहला जा रहे थे दोनों

बालोद (ए)। बालोद जिले के राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक- 930 में ग्राम भरदा के पास भीषण सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। हादसे में दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल है। हादसा शौर्य पेट्रोल पंप के पास हुआ। मामला गुरूर थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, बाइक सवार गुलाबचंद साहू (21 वर्ष) और उमेश कुमार भुआर्य (21 वर्ष) गंगरेल धमतरी से मोहला मानपुर जा रहे थे। दोनों मोहला के ही रहने वाले थे और गंगरेल में घूमकर अपने घर वापस लौट रहे थे। इसी दौरान गुरुवार रात गुरूर थाना क्षेत्र में शौर्य पेट्रोल पंप के पास वे सड़क पर खड़े ट्रक से जा टकराए। हादसे में गुलाबचंद साहू की मौके पर ही मौत हो गई, वहीं उमेश कुमार भुआर्य गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मृत युवक के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया, वहीं घायल युवक को गुरूर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां उसकी गंभीर हालत को देखकर प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। पुलिस ने परिजनों को घटना की सूचना दे दी है।

अंधेरे में खड़ा था ट्रक

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि जिस ट्रक से दोनों युवकों की बाइक की टक्कर हुई है, वो अंधेरे में खड़ा था। न कोई लाइट जल रही थी और न तो इंडिकेटर। इससे युवक उसे देख नहीं पाए और तेज गति से उससे टकरा गए। लोगों ने बताया कि इस मार्ग पर हमेशा लापरवाही से सड़कों पर ट्रक खड़ी रहती है। ड्राइवर इंडिकेटर या लाइट ऑन किए बिना वाहनों को बेतरतीब खड़ा कर देते हैं, जिससे लोग अंधेरे में उन्हें देख नहीं पाते और हादसे के शिकार हो जाते हैं। इसके अलावा ये जानकारी भी सामने आ रही है कि जब दोनों युवक दुर्घटना का शिकार होकर सड़क पर लहूलुहान पड़े हुए थे, तब किसी ने दोनों का पर्स गायब कर दिया। इसके कारण दोनों की शिनाख्त करने में काफी देर हुई। क्योंकि पर्स नहीं होने से युवकों का ID कार्ड, आधार कार्ड या पहचान के लिए कोई और दस्तावेज नहीं मिल सका। जब उनके मोबाइल पर किसी का फोन आ रहा था, तब उसे रिसीव करने पर उनकी पहचान हो पाई।

कुम्हारी में चोरी करने वाले तीन गिरफ्तार

शराब के नशे में बनाया चोरी का प्लान दुर्ग रेलवे स्टेशन पर पुलिस ने दबोचा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। तीन दिन पहले कुम्हारी बाजार चौक स्थित धनीराम ज्वेलर्स में हुई चोरी के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से पुलिस ने दो किलो से ज्यादा चांदी के जेवरात बरामद किए हैं। घटना के बाद आरोपी भागने की फिराक में थे। पुलिस ने तीनों आरोपियों को दुर्ग रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किया। आरोपियों ने पुलिस पूछताछ में बताया कि चोरी का प्लान इन लोगों ने शराब पीने के बाद बनाया। दुर्ग एसपी डॉ अभिषेक पल्लव ने इस मामले का खुलासा किया।

बता दें 3 अप्रैल की रात कुम्हारी क्षेत्र के बाजार चौक में स्थित धनीराम ज्वेलर्स का शटर लॉक तोड़कर अज्ञात चोरों द्वारा चांदी के जेवर चोरी किए गए थे। दूसरे दिन सुबह ज्वेलरी दुकान के संचालक को इसकी जानकारी लगी। उन्होंने थाने मे इसकी लिखित शिकायत दर्ज कराई।

शिकायत के बाद ज्वेलरी दुकान के आसपास क्षेत्रों के करीबन 150 सीसीटीवी कैमरों से मिले फुटेज खंगाले गए। पुलिस को एक फुटेज मिला जिसमें सब्बल जैसे सामान के साथ तीन युवक जाते दिखाई दिए। आरोपियों की पहचान एक नाबालिग के साथ महाराजा देवार, गवस देवार के रूप में हुई। पकड़े जाने की भनक लगने पर नागपुर जाने फिराक में थे, जिन्हें दुर्ग रेलवे स्टेशन में घेरा बंदी कर टीम द्वारा पकड़ा गया।

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि आरोपियों द्वारा बताया गया कि 3-4 मार्च की दरमियारी रात शराब पीने के बाद चोरी का प्लान बनाया। रात 1 बजे मुख्य मार्ग छोड़कर गलियों के रास्ते से धनीराम ज्वेलर्स पहुंचे और वहां सब्बल की मदद से दुकान के शटर में लगे सेन्ट्रल लॉक को फ्लोर से लॉक के साथ उखाड़ दिया। दुकान से लगभग 2 किलो चांदी के आभूषण, चांदी के बर्तन एवं आर्टिफिशयल ज्वेलरी को चोरी करके ले गये। पुलिस ने आरोपियों के पास से 2 किलो 135 ग्राम चांदी के जेवरात जुमला कीमती लगभग 1 लाख 50 हजार रुपए तथा घटना में प्रयुक्त 2 सब्बल जब्त किया है।

15 दिन की मासूम को दादी ने जिंदा फेंक दिया कुएं में

पोते की चाह में दिया खौफनाक वारदात को अंजाम, अब खाएगी जेल की हवा

श्रीकंचनपथ न्यूज

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ के सुरजपुर जिले में खौफनाक घटना सामने आई है। 15 दिन की नवजात बच्ची को उसकी दादी ने जिंदा कुएं फेंककर हत्या कर दी। बच्ची के लापता होने पर उसकी मां व पिता ने थाने मे शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद खोजबीन शुरू हुई तो बच्ची का शव कुएं में मिला। इसके बाद पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू की तो बच्ची की दादी पर शक गया और पूछताछ मे सच्चाई सामने आ गई। पुलिस आरोपी दादी को गिरफ्तार कर धारा 302, 201 के तहत कार्रवाई की। घटना करंजी पुलिस चौकी क्षेत्र का है।

करंजी पुलिस ने बताया कि 1 अप्रैल को ग्राम करंजी की रहने वाली अपर्णा विश्वास अपने पति आशीष विश्वास और ससुर पंकज विश्वास के साथ पहुंचकर अपने नवजात बच्ची के लापता होने की शिकायत दर्ज कराई। ससुर पंकज विश्वास ने शिकायत में बताया कि 1 अप्रैल को घर पर बहू अपर्णा विश्वास और उसकी 15 दिन की पोती अकेले थे। शाम को सूचना मिली कि पोती को कोई उठा ले गया है। काफी खोजबीन के बाद भी कुछ पता नहीं चला।

शिकायत के बाद पुलिस ने सभी का बयान लिया। इस दौरान पुलिस को पीड़ित मां अपर्णा की सास और मृत बच्ची की दादी मिताली विश्वास (48) पर संदेह हुआ। उसके बयान में विरोधभास दिखा। इसके बाद पुलिस ने मिताली विश्वास से कड़ाई से पूछताछ शुरू की तो पूरी सच्चाई बता दी। दरअसर मिताली विश्वास चाहती थी कि घर पर पोता आए लेकिन उसकी बहू ने पोती को जन्म दिया। इसके कारण वह काफी नाराज थी और मौका देखकर बच्ची को उठाया और कुएं में फेंक दिया। पुलिस ने बयान लेने के बाद आरोपिया को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है।

पुलिया के निचे गिरा बेकाबू ट्रक, ड्राइवर-हेल्पर घायल

कोरबा (ए)। कटघोरा के कसनिया पुलिया पर एक ट्रक रेलिंग तोड़कर 25 फीट नीचे नदी में गिर गया। हादसे में ट्रक के ड्राइवर और हेल्पर दोनों घायल हो गए। उन्हें अस्पताल भर्ती कराया गया है। कवर्धा पासिंग का ट्रक सीजी-09-जेएफ-6698 का ड्राइवर अशोक कुमार कोयला लेकर कटघोरा होते हुए बिलासपुर की ओर जा रहा था। ट्रक में हेल्पर अजय सिंह भी सवार था। कटघोरा के आगे कसनिया पुलिया पर पहुंचते ही ट्रक बेकाबू हो गया। पुलिया की रेलिंग तोड़ते हुए ट्रक 25 फीट नीचे नदी में गिर गया।

ट्रक के केबिन का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया और कोयला आसपास बिखर गया। घटना में ड्राइवर और हेल्पर दोनों घायल हो गए। मार्ग से गुजर रहे लोगों ने डायल 112 और कटघोरा पुलिस को सूचना दी, जिससे मौके पर 108 संजीवनी एक्सप्रेस की टीम पहुंची। पुलिस की पेट्रोलिंग टीम भी वहां पहुंची। दोनों घायलों को बाहर निकालकर उन्हें कटघोरा अस्पताल पहुंचाया गया। कसनिया के पास पुलिया से नीचे नदी में कोयला लदे ट्रक के गिरने के बाद गुरुवार सुबह जैसे ही लोगों को घटना की जानकारी हुई, वहां भीड़ जुटने लगी।

भिलाई में बुजुर्ग से लूटः खेत में काम करने वालों ने बनाया प्लान, बैंक से रुपए निकलवाकर रास्ते में लूटकर भागे

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई में बालोद के एक बुजुर्ग से लूट की बड़ी घटना हो गई है। आरापियों ने बुजुर्ग के खेत में काम किया और 27 लाख रुपए की मांग करने लगे। इसके बाद बुजुर्ग 50 हजार रुपए देने को राजी हुआ। इसके बाद बुजुर्ग भिलाई के बैंक में रुपए निकालने एक आरोपी के साथ पहुंचा। सेक्टर-6 स्थित पंजाब नेशनल बैंक से उसने अपनी एफडी तुडवाकर 13 लाख 50 हजार रुपए निकाले और घर लौट रहा था। इस दौरान आरोपी के दो और साथी बाइक से रास्ते में मिले और रुपए लूटकर भाग गए। इस मामले में बजुर्ग की शिकायत पर पद्मनाभ पुर पुलिस ने अपराध दर्ज कर लिया है।

पद्मनाभपुर पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार बताया कि ग्राम भोथीपार पोस्ट चारभाटा गुंडरदेही जिला बालोद निवासी सेवानिवृत्त बीएसपी कर्मी पैगंबर सिंह मंडावी (63) से लूट की घटना हुई है। 27 मार्च की शाम तीन लोग उसके घर पहुंचे और खेतों में जेसीबी लगाने की बात कही। बुजर्ग ने अपने खेत में जेसीबी लगाने कहा और इसके एवज में आरोपियों ने अपने हिसाब से पैसे दे देने की बात कही। आरोपियों ने 28 मार्च को जेसीबी लेकर उसके खेत में पहुंचे और खेत को समतल कर दिया।

इसके बाद आरोपियों ने पैगंबर सिंह मंडावी से 27 लाख रुपए की डिमांड की। इस पर उसने 50 हजार रुपए देने की बात कही। आरोपी इसके लिए भी मान गए। त पैगंबर सिंह मंडावी 29 मार्च को एक आरोपी के साथ रिसाली में रहने वाले अपने बड़े बेटे से एफडी के दस्तावेज लिए और सेक्टर-6 स्थित पंजाब नेशनल बैंक जाकर उसे तुडवाकर 13 लाख 50 हजार रुपये निकाले। इसके बाद वह वापस बालोद लौट रहा था रास्ते में धनोरा से हनोदा के बीच आरोपी के दो साथी भी बाइक से पहुंच गए। इन लोगों ने पैगंबर सिंह मंडावी से उसके रुपए लूटे और भाग गए। इसके बाद बुजुर्ग अपने गांव पहुंचा और इसकी जानकारी दी। इसके बाद थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई।

कार्यालय, नगर पालिक निगम, भिलाई

(संपत्तिकर विभाग)

क्रमांक/चार/तीन/सं.क.वि./2023/2/02		भिलाई, दिनांक/05/04/2023

// स्वामित्व के हस्तांतरण की सूचना //

इस ईश्तहार द्वारा हित रखने वाले हितग्राही को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 में स्वत्वाधिकार के अंतरण के संबंध में निम्नलिखित हस्तांतरिती के नाम से जिसका कि नगर पालिक निगम भिलाई के संपत्तिकर अभिलेख में हस्तांतरणकर्ता के स्थान पर नाम दर्ज किया जाना है यदि किसी को इस संबंध मे कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन तिथि से 15 दिनों के भीतर अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है बाद मे प्रस्तुत आपत्ति पर विचार नही किया जावेगा:-

क्र.	हस्तांतरणकर्ता का नाम	हस्तांतरिती का नाम	हस्तांतरण का स्वरूप	संपत्ति की स्थिति
1	"चौहान हाउसिंग" (चौहान ग्रीन वैली) आपो. चौहान टाउन, जुनवानी, भिलाई, पोपराईटरः- श्री अजय चौहान, स्व. श्री विपत(दीपेश्वर) चौहान, निवासी-राजीव नगर, भिलाई तह. व जिला-दुर्ग(छ.ग.)	श्री सी. एम. जेबीन, आ. श्री सी.के. मोहनन, निवासी-39/आई, रिसाली सेक्टर, भिलाई, तह. व जिला-दुर्ग(छ.ग.)	बिक्रीनामा	वार्ड 01,"चौहान हाउसिंग" (चौहान ग्रीन वैली) जुनवानी, भिलाई, फ्लेट नं. 40, ब्लाक-"D11", पंचम तल, 663.27 वर्गफीट पर आवासीय फ्लेट निर्मित ।
2	चौहान हाउसिंग प्राइवेट लिमिटेड जुनवानी भिलाई डायरेक्टर श्री अजय चौहान, आ. स्व. श्री विपत (दीपेश्वर) चौहान, निवासी-राजीव नगर, सुपेला, भिलाई, तह. व जिला-दुर्ग (छ.ग.)	1. श्री निखिल त्रिपाठी आ. श्री आर.के. त्रिपाठी, 2. श्रीमती प्रगति त्रिपाठी, ध.प. श्री निखिल त्रिपाठी, निवासी- डी-28/3, कचनार सिटी, विजय नगर, जबलपुर	बिक्रीनामा	वार्ड 01, CHPL CHOUHAN TOWN, नियर शंकराचार्य इंजीनियरिंग कालेज जुनवानी भिलाई, फ्लैट नं.-16, ब्लाक-"E9", चतुर्थ तल, 1194.89 वर्गफीट पर आवासीय फ्लैट निर्मित।
3	डॉ. समर कुमार घोष आ0 स्व. सत्यनारायन घोष, निवासी-म.नं.-बी/660, स्ट्रीट नं.-24, स्मृतिनगर, जुनवानी, मोतीलाल नेहरूनगर, भिलाई, तह. व जिला दुर्ग(छ.ग.)	श्री सुरेन्द्र सिंग सिधू आ. स्व. केहर सिंग सिधू, निवासी-म.नं.-208, वार्ड नं.-1, सड़क नं.-28, स्मृतिनगर, जुनवानी मोतीलाल नेहरूनगर, भिलाई, तह. व जिला दुर्ग(छ.ग.)	बिक्रीनामा	जुनवानी, स्मृतिनगर, वार्ड नं. 2 स्मृति नगर, जुनवानी वार्ड अंतर्गत स्मृति गृह निर्माण सहकारी समिति अंदर भाग भिलाई, खसरा नं. 288/315, प्लाट नं. -बी/660, रकबा-2400 वर्गफीट, आवासीय भवन निर्मित।
4	चौहान हाउसिंग प्राइवेट लिमिटेड जुनवानी भिलाई डायरेक्टर श्री अजय चौहान, आ. स्व. श्री विपत (दीपेश्वर) चौहान, निवासी-राजीव नगर, सुपेला, भिलाई, तह. वजिला-दुर्ग(छ.ग.)	1. श्री अशोक मोहन, आ. स्व. श्री एन. मोहन, 2. श्रीमती भावना वर्मा, ध.प. श्री अशोक मोहन, निवासी- मकान नं.-864, नियर कारगिल चौक, सुन्दर नगर, रायपुर(छ.ग.)	बिक्रीनामा	वार्ड 01, CHPL CHOUHAN TOWN, नियर शंकराचार्य इंजीनियरिंग कालेज जुनवानी भिलाई, फ्लैट नं.-09, ब्लाक-"B2", द्वितीय तल, 1102.00 वर्गफीट पर आवासीय फ्लैट निर्मित।
5	मेसर्स वंदेमातरम बिल्डर्स पार्टनर श्रीकांत खेड़िया पता- सदन ए मार्केट, सेक्टर 1 भिलाई, एवं श्रीराम डेवलपर्स पार्टनर ओम प्रकाश शर्मा पिता स्व. श्री सुन्दर लाल शर्मा निवासी-27/11 नेहरू नगर भिलाई तह. व जिला-दुर्ग(छ.ग.)	श्रीमती एनी डेविड ध.प. श्री आर. डेविड, निवासी- एम.आई.जी.-2-1715, हाउसिंग बोर्ड, औद्योगिक क्षेत्र, वार्ड 16, भिलाई, तह. व जिला-दुर्ग(छ.ग.)	बिक्रीनामा	वार्ड क्र. 16, कैलाश नगर कुरूद, भिलाई "श्रीराम हाईट्स" फ्लैट नं. ई-602, (2बीएचके), छठवा तल, क्षेत्रफल-815 वर्गफीट पर आवासीय फ्लैट निर्मित।
6	"चौहान हाउसिंग" (चौहान ग्रीन वैली) आपो. चौहान टाउन, जुनवानी, भिलाई, पोपराईटरः- श्री अजय चौहान, स्व. श्री विपत(दीपेश्वर) चौहान, निवासी-राजीव नगर, भिलाई तह. व जिला-दुर्ग(छ.ग.)	1. श्री अबीर कुमार कुंडू आ. श्री असोक कुमर कुंडू, 2. श्रीमती सुमाना कुंडू, ध.प. श्री अबीर कुमार कुंडू, निवासी-क्वाटर नं. 12/ए, स्ट्रीट नं. 36, सेक्टर-05, भिलाई, तह. व जिला-दुर्ग(छ.ग.)	बिक्रीनामा	वार्ड 01,"चौहान हाउसिंग" (चौहान ग्रीन वैली) जुनवानी, भिलाई, फ्लैट नं. 17, ब्लाक-"D8", तृतीय तल, 663.27 वर्गफीट पर आवासीय फ्लैट निर्मित ।
7	मेसर्स श्रीकृष्णा कालोनाईजर्स पार्टनर तापड़िया रियलटर्स प्रा. लिमि. डायरेक्टर श्री सुनील कुमार तापड़िया आ. श्री सुरेश चंद तापड़िया निवासी-5/425, नेमीचंद गली, तेलघानी नाका चौक, स्टेशन रोड, रायपुर	श्रीमती कीर्ति दिवाकर, पति डॉ राजेन्द्र कुमार दिवाकर, निवासी- 40/ 3, नेहरु नगर पश्चिम, भिलाई तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.)	बिकीनामा	वार्ड नं. 09, पुरानी बस्ती, कोहका, भिलाई, कृष्णा ग्राण्ड सिटी, फ्लैट नं.-38, ब्लॉक-ए2, द्वितीयतल, 641 वर्गफीट पर आवासीय फ्लैट निर्मित।
8	श्री राजेश देवांगन, आ. श्री भुवन देवांगन से श्रीमती गीतिका देवांगन, ध.प. श्री राजेश देवांगन, निवासी-म.नं.-65, स्ट्रीट नं.-01, शीतला मंदिर के पास, मोतीलाल नेहरु नगर भिलाई, तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.)	श्री गणेश यादव, आ. श्री जमुना लाल यादव, निवासी-मकान नं.-411, आरती किराना स्टोर के पास मॉडल टाउन भिलाई, तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.)	बिकीनामा	जुनवानी वार्ड नं. 02, स्मृति नगर वार्ड अंतर्गत मॉडल टाउन जुनवानी अंदर भाग, भिलाई, खसरा नं.-1084/84,रकबा-642 वर्गफीट, भवन निर्मित।
9	श्रीमती जीवन्तीन देवी, ध.प. श्री रमेशचन्द्र शर्मा, निवासी-ग्राम-खबडोली, पोस्ट ऑफिस-बहुली,तहसील व जिला-बागेश्वर (उत्तराखंड) के तरफ से आम मुख्तयार श्री धनश्याम काण्डपाल, आ. श्री रमेश चन्द्र काण्डपाल, निवासी- क्वा नं.-19/बी, रोड-36, सेक्टर-04 भिलाई, तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.)	श्रीमती जुगेश्वरी देवी, ध.प. श्री रमेश प्रजापति, निवासी- पम्प हाउस, वार्ड नं. -05, लेडिस टेलर, इन्द्रा नगर सुपेला भिलाई, तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.)	बिकीनामा	कोहका , वार्ड नं.-09, कोहका पुरानी बस्ती वार्ड, (कोहका पुरानी बस्ती अंदर भाग) भिलाई, खसरा नं.-181/1, रकबा-2178 वर्गफीट, आवासीय भवन निर्मित।

उपायुक्त (संपत्तिकर)
नगर पालिक निगम
भिलाई

होम थिएटर ब्लास्ट में मृत भाइयो के परिवार जनों से मिले मोहम्मद अकबर

कबीरधाम। जिले में 3 अप्रेल होम थिएटर ब्लास्ट की घटना में मृत भाइयों के परिवार से वन मंत्री तथा विधायक कवर्धा मोहम्मद अकबर ने मुलाकात की। वनमंत्री ने बोड़ला विकासखंड के ग्राम चमारी स्थित घर पर पीड़ित परिवारजनों से मुलाकात की। इस मौके पर उन्होंने इस दौरान पीड़ित परिवार के सदस्यों को हर संभव सहायता के लिए आश्वस्त किया और आरोपी के खिलाफ कानूनी नियमानुसार सख्त कार्रवाई करने के निर्देश पुलिस अधीक्षक को दिए। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने पूरी घटनाक्रम एवं अब तक हुई कार्यवाही की विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान बोड़ला जनपद अध्यक्ष अमिता प्रभाती मरकाम, सहसपुर लोहारा जनपद अध्यक्ष लीला धनुक वर्मा, कृषि उपज मंडी अध्यक्ष

नीलकंठ साहू, उपाध्यक्ष चोवा साहू सहित क्षेत्रिय जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। बता दें ग्राम चमारी में 03 अप्रैल को होम थिएटर के विस्फोट होने से परिवार के दो सदस्यों की निधन हो गया। इसके साथ ही परिवार के 5 सदस्य घायल हो गए। जिसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया और डॉक्टरों द्वारा उपचार किया जा रहा है। घटना की सूचना मिलते ही थाना रेंगाखार में जांच कर कार्यवाही की गई। जांच के दौरान आरोपी सरजू मरकाम पिता बलदेव मरकाम (33) निवासी वार्ड नंबर 11 ग्राम छपला पो. मंडई जिला बालाघाट मध्यप्रदेश के खिलाफ आपराधिक तथा विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई।

बाइक चोरी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

कोरबा। हरदीबाजार पुलिस ने बाइक चोर को गिरफ्तार किया है. जानकारी के मुताबिक प्रार्थी राजेश कुमार मरार पिता काम सिंह मरार निवासी बोईदा थाना हरदीबाजार द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराया कि मोटर सायकल क्रमांक सीजी 12 ए.वाई. 3086 को हरिराम गोदारा कंपनी के वाहन पार्किंग में खड़ा किया था। जिसे कोई अज्ञात चोर द्वारा चोरी कर ले गया है।

।। कार्यालय नगर पालिक निगम, दुर्ग ।।
EmailId:- durgmc2019@gmail.com Phone:- 0788-2322148
-:: मेनुअल निविदा आमंत्रण सूचना ::-
क्रमांक / /वि0वि0/2022-2023		दिनांक ....

नगर पालिक निगम, दुर्ग क्षेत्रान्तर्गत निम्नानुसार कार्य कराया जाना है। अतएव एकल श्रेणी में "डी" या उच्चवर्ग में पंजीकृत ठेकेदार एवं छ.ग. विद्युत मंडल के "ब" वर्ग लाईसेंसी व्यक्ति/फर्म निविदा दर पर मेनुअल निविदा आंमत्रित की जाती है :-

निविदा प्रपत्र जारी करने की अंतिम तिथि - 24/04/2023
निविदा जमा करने की अंतिम तिथि - 27.04.2023(कार्यलयीन अवधि तक)
निविदा खोलने की तिथि - 28.04.2023 .सांय 4.00 बजे

क	कार्य का नाम	लगत (लाख)
1	स्ट्रीट लाईट क्लैम्प 32 एम.एम.पाईप 30 से.मी. लम्बाई एवं 8 इंच नट बोल्ट सहित क्रय हेतु	रू. 3.20

निविदा की सामान्य शर्ते धरोहर राशि निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है अथवा विभागीय वेबसाइट www.municipalcorporationdurg.in एवं www.uad.cg.gov.in से भी डाउनलोड की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

विधायक देवेंद्र ने हाथ जोड़ कर श्री हनुमान जी से की प्रार्थना, मांगी खुशहाली

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। हनुमान जयंती के पावन अवसर पर भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव सुबह सेक्टर 9 हनुमान मंदिर पहुंचे। जहां उन्होंने सबसे पहले हनुमान जी की पूजा आरती की। उसके बाद हनुमान चालीसा का पाठ किया और श्रीफल श्रद्धा के पुष्प अर्पित करते हुए विधायक श्री यादव ने पूरे भिलाई वासियों के हित और विकास,सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली की हाथ जोड़कर प्रार्थना की।

हनुमानजी की जयंती के अवसर पर मंदिर में हजारों भक्तों की भीड़ लगी थी। लेकिन वे वहाँ वीआईपी बन कर नहीं गए बल्कि एक आम एकदम सामान्य भक्त की तरह लाइन में लगकर मंदिर पहुंचे फिर पूजा अर्चना की। अन्य भक्ति के साथ वे भी धूप में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार करते रहे। इस दौरान वे तू रक्षक काहू को डरना लिखा हनुमान जी की फोटो वाली टी शर्ट पहने हुए थे पूजा समाप्ति के बाद विधायक श्री यादव सेक्टर 9 मंदिर परिसर स्थित जय हनुमान सेवा वाहिनी द्वारा आयोजित भंडार कार्यक्रम में शामिल हुए। जहाँ उन्होंने महाप्रसाद वितरण किए। मंदिर में हनुमान जी के दर्शन के लिए आए भक्तों को विधायक श्री देवेंद्र यादव ने अपने हाथों से महा प्रसादी का वितरण किया। साथ ही खुद ही महा प्रसादी ग्रहण की। भक्तों की सेवा के साथ श्री यादव सभी को हनुमान जयंती की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर जय हनुमान सेवा वाहिनी द्वारा भव्य भंडारा का आयोजन किया गया था। जिसमे में करीब 50 हजार भक्तो के महा प्रसादी ग्रहण किया। इसके बाद भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव खुर्सीपार सहित टाउनशिप के विभिन्न मंदिरों में पहुंचे। जहां उन्होंने हनुमान जी की पूजा अर्चना में शामिल हुए ।

सुबह सेक्टर 9 पहुंचे विधायक, एक आम भक्त की तरह लाइन मे लग कर हनुमानजी की पूजा की

खास - खबर

कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र की बजट प्राथमिकताओं पर जिला स्तरीय कार्यशाला हुई

दुर्ग। सीबीजीए एवं समर्थन द्वारा दुर्ग स्थित होटल कैंबियन में कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र की बजट प्राथमिकताओं के विषय पर जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में केंद्र व राज्य की कृषि बजट आवंटन पर उन्मुखीकरण एवं परिचर्चा आयोजित की गई जिसमें सीबीजीए से राजेश साहू एवं अंकिता जी ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, सिंचाई परियोजनाओं की स्थिति गोधन योजना की जमीनी अनुभव को तथ्यों के साथ प्रस्तुत किया। कार्यशाला के प्रथम सत्र में विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों, संयुक्त किसान संगठन, किसान बंधु संगठन, सहकारी शक्कर कारखाना संचालन समिति, एस आई आर डी, एफ्पीओ एवं एनजीओ के विभिन्न पदाधिकारियों ने कृषि व संबद्ध क्षेत्र के मुद्दों को सामने रखा। द्वितीय सत्र में पैनलिस्ट राजकुमार गुप्त संयोजक प्रगतिशील किसान संगठन, भोजराम डढसेना संचालक दंतेश्वरी शक्कर कारखाना बालोद, विकास साहू संचालक सहायक संचालक कृषि विभाग दुर्ग, टेकसिग चंदेल संयोजक किसान बंधु संगठन धंमधा ने मुद्दों व प्रश्नों पर विस्तार से जवाब दिया। विभाग की ओर से सहायक संचालक कृषि ने योजना निर्माण की प्रक्रिया बजट आवंटन एवं क्रियान्वयन की दिक्कतों को भी साझा किया।

इस अवसर पर किसान संगठन से राजकुमार गुप्त, रोहित साहू, भोजराम डढ़सेना, टेकसिग चंदेल, सहायक संचालक कृषि विकास साहू, बलराम साहू, बद्री प्रसाद पारकर, घनश्याम ठाकुर, टीकम ठाकुर, सत्येंद्र कुमार सिन्हा, विनीता वैष्णव, गायत्री सिंह, आत्माराम, रामपाल वर्मा, युवराज यादव, घनश्याम उइके, ओम प्रकाश यादव, मोतीराम वर्मा सहित दुर्ग, बालोद जिले के विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

हनुमान जन्मोत्सव पर हनुमान चालीसा वितरित

दुर्ग। नगर निगम के पूर्व एल्डरमैन डॉ. प्रतीक उमरे ने युवाओं को हनुमान चालीसा पाठ पढ़ने के लिए प्रेरित करने के लिए कसारीडीह कन्हैयापुरी चौक स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर में हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर मंदिर में भक्तों को हनुमान चालीसा का निशुल्क वितरण किया।इस अवसर पर सैकड़ों श्रद्धालुओं ने आस्था के साथ हनुमान चालीसा ग्रहण किया।पूर्व एल्डरमैन डॉ.प्रतीक उमरे ने कहा कि दुर्ग में हनुमानजी की विशेष कृपा और आशीर्वाद है।सभी दुर्गवासी एकजुट होकर के हनुमानजी का जन्मोत्सव बड़े धूम धाम से मनाते हैं।जन्मोत्सव पर हनुमानजी का आशीर्वाद विशेष महत्व रखता है।भगवान वैसे तो कण कण में विधमान हैं लेकिन सनातन संस्कृति एवं परंपरा को युवा पीढ़ी निरंतर जारी रखे इस प्रयास के तहत श्री हनुमान चालीसा का वितरण किया गया है। विशेष रूप से चार्टेड अकाउंटेंट मनीष श्रीवास, लवकुश देशमुख, प्रखर भारद्वाज, प्रांजल भारद्वाज ने हनुमान चालीसा वितरण में सहयोग किया।

मुख्यमंत्री भेंट-मुलाकातः कलेक्टर ने आयुक्त व सीईओ के साथ किया कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण

दुर्ग। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के दुर्ग सीमा क्षेत्र में भेंट मुलाकात कार्यक्रम 7 अप्रैल दिन शुक्रवार को आगमन को लेकर तैयारियां तेज,भेंट मुलाकात आयोजन कार्यक्रम के मद्देनजर कलेक्टर पुष्पेंद्र कुमार मीणा ने आयुक्त लोकेश चन्द्राकर,भिलाई आयुक्त रोहित व्यास, सीईओ अश्वनी देवांगन,पार्षद ऋषभ जैन एवं अधिकारियों के साथ कार्यक्रम स्थल पुरानी गंजमंडी व स्वामी आत्मानंद स्कूल दीपकनगर सहित अन्य स्थलों का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने मुख्यमंत्री भेंट मुलाकात कार्यक्रम में व्यवस्था का मुआयना किया एवं अधिकारियों को आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने निर्देशित किया। कलेक्टर श्री मीणा ने भेंट मुलाकात कार्यक्रम के दौरान पंडाल,मंच,पेयजल, पार्किंग स्थल,सुरक्षा व्यवस्था सहित अन्य आवश्यक व्यवस्था के सम्बंध में जरूरी निर्देश दिए।

करंजा भिलाई में लोक कला महोत्सव कार्यक्रम का रंगारंग आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के निगमित सामजिक उत्तरदायित्व विभाग द्वारा संयंत्र एवं संयंत्र की खदानों के परिधीय ग्रामों में अनेक प्रकार रोजगारोन्मुखी, स्वालम्बन, आत्मनिर्भरता, चिकित्सकीय शिविर, महिला सशक्तीकरण एवं स्थानीय कलाकारों को मंच प्रदान कर प्रोत्साहन प्रदान करने हेतु समय-समय पर ग्रामीण लोककला सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करता है।

जिसका मुख्य उद्देश्य संयंत्र के परिधीय क्षेत्रो में रोजगार, जागरूकता एवं आत्मनिर्भरता विकसित करते हुए छत्तीसगढ़ पुरातन सांस्कृतिक विरासत में समृद्ध, रुझान एवं लोककला को बढ़ावा देना है। इसी कड़ी में विगत दिनों 31 मार्च, 2023 को ग्राम करंजा भिलाई में ग्रामीण लोककला महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि महाप्रबंधक (सीएसआर) भिलाई इस्पात संयंत्र श्री शिवराजन नायर ने अपने उद्बोधन में बताया की छत्तीसगढ़ अपनी सांस्कृतिक विरासत से समृद्ध है। राज्य की एक बहुत ही अनोखी और जीवंत संस्कृति एवं कला विद्यमान होने के साथ ही इस कला को बढ़ावा देकर स्थानीय नवोदित कलाकारों की प्रतिभा को देशभर में स्थान प्रदान करने हेतु इस प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन सीएसआर विभाग, भिलाई इस्पात संयंत्र सदैव करता आ रहा है।

उद्घाटन कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग, भिलाई इस्पात संयंत्र के वरिष्ठ प्रबंधक सुशील कामड़े ने बताया कि छत्तीसगढ़ में युगों से, यहाँ नृत्य और प्रदर्शन कलाओं का आयोजन किया जाता रहा है। छत्तीसगढ़ राज्य राउत नाच लोकनृत्य, पांडवनी, पंथी नृत्य, जैसे मनमोहक कलाओं एवं कलाकारों से धनी है। इसलिए इन कलाओं को पूरे देश में स्थान मिले, ऐसा आप सभी कलाकारों को प्रयत्नशील रहना चाहिए।

इस ग्रामीण लोककला महोत्सव में सीमा कौशिक- प्रसिद्ध छत्तीसगढ़ी कलाकार, टीना साहू- पंडवानी कबीरपंथी लोक संगीत, थानू राम साहू- डंडा नृत्य, तिलेश्वर वर्मा- मनमोहन नाचा पार्टी राजनंदगांव एवं पुष्पा साहू- नवा किसान आदि कलाकारों ने अपनी-अपनी प्रस्तुति दी।

कार्यक्रम में ग्राम पंचायत करंजा भिलाई के सरपंच अशोक कुमार साहू, उपसरपंच रोहित कुमार निषाद, ग्राम एवं आसपास के अन्य जनप्रतिनिधि के अलावा नारी शक्ति एवं गणमान्य नागरिक के अलावा हजारों की संख्या में श्रोतागण उपस्थित रहकर करीब 03.30 बजे रात तक कार्यक्रम का आनंद उठाकर निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग, भिलाई इस्पात संयंत्र कि प्रशंसा की। कार्यक्रम का संचालन एवं समापन श्रीमती रजनी रजक सीएसआर विभाग के द्वारा किया गया। कार्यक्रम के सफलतापूर्वक आयोजन में आशुतोष सोनी, सीता सिन्हा, बुधेलाल एवं अंजनी कुमार द्विवेदी आदि का सराहनीय योगदान रहा।

हनुमान जन्मोत्सवः मां दुर्गा मंदिर हवन कार्यक्रम में मेयर हुए शामिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। हनुमान जन्मोत्सव पर मेयर धीरज बाकलीवाल ने शहर के विभिन्न हिस्सों में आयोजित दर्जन भर से अधिक मंदिरों में दर्शन किये। शहरवासियों को हनुमान जी के जन्मोत्सव की शुभकामनाएं दी। मेयर धीरज बाकलीवाल ने नगर पालिक निगम परिसर स्थित मां दुर्गा मंदिर में स्थापित श्री हनुमान जी की विधि विधान से विशेष पूजा अर्चना कर हवन की। श्री हनुमान जी का आशीर्वाद लिया और प्रसाद ग्रहण किया।

इसके उपरांत मेयर धीरज बाकलीवाल सेक्टर 9 स्थित हनुमान मंदिर के अलावा गंजपारा हनुमान मंदिर,पंचमुखी हनुमान मंदिर,जीवन रेखा परिसर के करीब हनुमान मंदिर,कसारीडीह कन्हैयापुरी पंचमुखी हनुमान मंदिर पहुंचकर पूजा अर्चना की। मेयर ने मंदिरो में चल रहे हवन में भाग लिया और सभी भक्तों को हनुमान जन्मोत्सव की शुभकामनाएं दी। मेयर धीरज बाकलीवाल ने कहा कि महाबली हनुमानजी चिरंजीवी है और उनकी केवल भक्ति मात्र से लोगों के बड़े-बड़े संकट और दु:ख दूर हो जाते है। इसलिए हनुमानजी को संकटमोचक और कष्टभंजन भी कहा गया है। नगर निगम के अधिकारी व कर्मचारियों व नागरिको ने प्रसाद ग्रहण कर निहाल हुए।हवन कार्यक्रम कुलेश्वर साहू, दुर्गेश गुप्ता,प्रकाश अहीर,संतोष मिश्रा,योगेश सूरे,सत्यनारायण शर्मा,निशांत यादव, राजू चन्द्राकर,लता यादव ,पूर्णिमा तिवारी,साक्षी वर्मा, लवकुश शर्मा,सुनीता राजपूत इत्यादि मौजूद रहे।

44 वां स्थापना दिवस जिला भाजपा कार्यालय में हर्षोल्लास से मनाया गया

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। भारतीय जनता पार्टी का 44 वां स्थापना दिवस जिला भाजपा कार्यालय में पार्टी का ध्वज फहराकर एवं वरिष्ठ कार्यकर्ताओं का सम्मान कर मनाया गया। स्थापना दिवस कार्यक्रम मनाने के पश्चात विधिवत रूप से 6 अप्रैल स्थापना दिवस से 14 अप्रैल बाबा साहब अंबेडकर की जयंती तक सामाजिक न्याय सप्ताह कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत की गई।

इस अवसर पर जिला भाजपा महामंत्री ललित चंद्राकर एवं सुरेंद्र कौशिक ने कहा कि आज भारतीय जनता पार्टी के 44 वें स्थापना दिवस के अवसर पर पार्टी अपने महापुरुषों कार्यकर्ताओं के स्वर्णिम संघर्ष की गाथा को याद कर रही है जिनके अथक प्रयास मेहनत और संघर्ष के बदौलत आज पार्टी अपने स्वर्णिम दौर से गुजर रही है, आज 44 वें स्थापना दिवस के अवसर पर हमारे जनसंघ के एवं वरिष्ठ कार्यकर्ता द्वारा किए गए संघर्ष को नमन करते हुए समस्त भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं से आह्वान हैं कि उनके संघर्षों से उत्पन्न आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करते हुए पार्टी को सर्वोच्च शिखर पर लगातार विराजमान रखने के लिए सतत सक्रिय रहना चाहिए। स्थापना दिवस 6 अप्रैल से पार्टी के राष्ट्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व के द्वारा सामाजिक न्याय सप्ताह के अंतर्गत कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत भी होती है जिसमें प्रतिदिन विविध कार्यक्रमों का आयोजन होना है, जिसमें भारतीय जनता पार्टी सहित समस्त मोर्चा प्रकोष्ठ के सहभागिता सुनिश्चित की गई है।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से जिला भाजपा कार्यालय में जिला महामंत्री ललित चंद्राकर सुरेंद्र कौशिक,वरिष्ठ कार्यकर्ता जिनका जिला भाजपा कार्यालय में सम्मान किया गया चैनसुख भट्टर, डॉ शरद अग्रवाल, जिला कार्यकारिणी सदस्य संतोष सोनी, संजय बोहरा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ जिला संयोजिका बानी सोनी आर्थिक प्रकोष्ठ जिला संयोजक अनूप गटागट मनोज शर्मा गायत्री वर्मा रूपेश वरी साहू उपस्थित रहे।

वैशालीनगर तथा पाटन महाविद्यालयों के राजनीति विज्ञान विभाग के बीच एमओयू सम्पन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। इंदिरा गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय वैशालीनगर व शासकीय चंदुलाल चन्द्राकर कला एवं विज्ञान महाविद्यालय पाटन के राजनीति विज्ञान विभाग के मध्य आगामी 5 सत्रों के लिए एमओयू किया गया।

प्रो अमृतेष शुक्ला (सहायक प्राध्यापक, राजनीति विज्ञान) ने जानकारी देते हुए बताया कि कालेज में राजनीति विज्ञान की शिक्षा में गुणवत्ता, विविधता , सामाजिक आर्थिक रूप से पिछड़े हुए छात्र छात्राओं को उच्च शिक्षा में सहयोग के उद्देश्य को लेकर पाटन व वैशालीनगर महाविद्यालय के मध्य समझौता करार हुआ है । सत्र 2025-26, तक प्रत्येक वर्ष किये जाने वाले कार्यक्रमों का योजना पत्र तैयार किया गया है।

जिसमे वैशालीनगर महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ किरण रामटेके, व पाटन महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो जितेंद्र कुमार मंडावी ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर वैशालीनगर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ श्रीमती अलका मेश्राम ने अपने उद्बोधन में दोनो महाविद्यालयों को आपसी सहयोग से छात्र हित को लक्ष्य बनाकर कार्य करने पर बल दिया तथा भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।इस आयोजन में प्रो अमृतेष शुक्ला, पाटन महाविद्यालय से आइक्यूएसी प्रभारी डॉ आरके वर्मा, अतिथि सहायक प्राध्यापक चंद्रशेखर देवांगन उपस्थित रहे। दोनों महाविद्यालय के एमओयू पर हर्ष व्यक्त करते हुए वैशालीनगर महाविद्यालय तथा पाटन महाविद्यालय के विभागाध्यक्षों ने डॉ श्रीमति अल्का मेश्राम तथा प्राचार्य डॉ. शोभा श्रीवास्तव को उनके मार्गदर्शन एवम सहयोग के लिए आभार दिया।

संभागायुक्त ने महत्वपूर्ण योजनाओं पर की समीक्षा बैठक

स्वीकृत कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण कराए जाने के दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। संभागायुक्त दुर्ग संभाग दुर्ग में संभागायुक्त श्री कावरे द्वारा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, शिक्षा विभाग एवं कृषि विभाग अंतर्गत संचालित शासन की महत्वपूर्ण योजना की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अजय मिश्रा, उपायुक्त रा. दुर्ग संभाग दुर्ग, अमित कुमार मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत राजनांदगांव, संदीप अग्रवाल मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत कबीरधाम, श्रीमती रेणुका श्रीवास्तव मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत बालोद, आर के राठौर संयुक्त संचालन कृषि, गिरधर मरकाम संयुक्त संचालक शिक्षा, बी के सिंह, संलग्न अधिकारी वन वृत्त दुर्ग एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

संभागायुक्त श्री कावरे द्वारा बैठक में सर्वप्रथम पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत संचालित शासन की महत्वपूर्ण योजना गोधन न्याय योजना के तहत 2974139 क्विंटल क्रय किये गये गोबर के भुगतान पूर्ण किये जाने के निर्देश दिए साथ ही संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि समय-सीमा में भुगतान कर लिया जावे। खरीदे गये गोबर से निर्मित वर्मी कम्पोस्ट खाद के विक्रय में तेजी लाने के निर्देश दिये।

महात्मा गांधी रोजगार गारंटी योजना की समीक्षा के दौरान संभागायुक्त ने ग्राम पंचायतो में चल रहे कार्य एवं कार्यरत मजदूरों की संख्या के संबंध में चर्चा के दौरान अवगत कराया गया कि संभाग में आज कुल 1302 ग्राम पंचायतो में कुल 168188 मजदूर कार्य कर रहे है, बेमेतरा जिले में प्रगतिरत कार्य की संख्या एवं कार्यरत मजदूरो की संख्या कम होने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की गई साथ ही उपस्थित मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायतों को कार्य एवं मजदूरों की संख्या बढाए जाने के निर्देश दिए एवं बरसात के समय वृक्षारोपण आदि कार्य लिए जाने के भी निर्देश दिए। शासन की महत्वपूर्ण योजना रूरल इंडस्ट्रीयल पार्क (रीपा) योजना के तहत सभी मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को अधोसंरचना के कार्य जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए गए, साथ ही उत्पादो के विक्रय की मॉनिटरिंग हेतु विशेष ध्यान दिए जाने के भी निर्देश दिए गए। संभागायुक्त द्वारा स्वच्छ भारत योजना की भी समीक्षा की गई।

मुख्यमंत्री वृक्ष संपदा योजना के पर्याप्त प्रचार प्रसार करने संभागायुक्त महोदय ने वन विभाग को निर्देशित किया, विभाग द्वारा अवगत कराया गया कि संभाग में कुल 1404 हितग्राहियों को निलगिरी, बास, सौगान, नीम एवं चंदन प्रजाति के लगभग 21 लाख पौधे लगाने के प्रकरण प्राप्त हुए है, इस योजना के तहत दिए गए लक्ष्यो को पूर्ण करने निर्देशित किया गया। श्री कावरे ने स्वामी आत्मानंद विद्यालय योजना के तहत सभी स्कूलों के निर्माण कार्य एवं नवीन विद्यालयों में भवन संबंधी सम्पूर्ण व्यवस्था के संबंध में जानकारी ली जिस पर संयुक्त संचालक शिक्षा श्री मरकाम द्वारा अवगत कराया गया कि संभाग में वर्तमान में अंग्रेजी एवं हिन्दी माध्यम के कुल 61 विद्यालय संचालित है।

16 प्रतिशत लोगों ने जमा नहीं की है टैक्स की राशि

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम रिसाली क्षेत्र के ऐसे नागरिकों को एक और मौका मिला है, जिन्होंने टैक्स की राशि अब तक जमा नहीं की है। निगम आयुक्त आशीष देवांगन ने बताया कि बिना अधिभार के 15 अप्रैल तक टैक्स लेने काउंटर को खोला गया है। निगम के 16 प्रतिशत कर दाताओं ने अब तक राशि जमा नहीं की है। निगम आयुक्त ने बताया कि वर्ष 2022-23 के टैक्स की राशि जमा करने के लिए नागरिकों, व्यापारियों व अन्य कर दाताओं को 31 मार्च तक समय दिया गया था। किन्हीं कारणों से जो व्यक्ति कर की राशि जमा नहीं की है वे अब 15 अप्रैल तक राशि निगम के खजाने में जमा कर सकते है। उल्लेखनीय है कि बीते वित्तीय वर्ष में 1644.37 लाख वसूली का लक्ष्य रखा गया था। इसके विरूद्ध निगम में 84 प्रतिशत अर्थात 1374.02 लाख रूपए की आय हुई है।

राजस्व विभाग प्रभारी संजय वर्मा ने बताया कि वित्तीय वर्ष समाप्ती के बाद कर दाताओं से 1000 रूपए शास्ती शुल्क और 18 प्रतिशत अधिभार लिया जाता है। किसी कारण से निर्धारित अवधि में राशि जमा नहीं करने वालों से किसी प्रकार का अतिरिक्त शुल्क नहीं ली जाएगी।

बकायादारों को नहीं मिलेगी छुट

खास बात यह है कि यह योजना केवल 2022-23 के लिए लागू है। पुराने बकायादारों को टैक्स जमा करने में किसी तरह की छुट नहीं दी जाएगी। उन्हें अधिभार के साथ राशि जमा करनी होगी। बकायादारों से निगम को 67 लाख 89 हजार वसूली करना शेष है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950